THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS

(c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

01

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

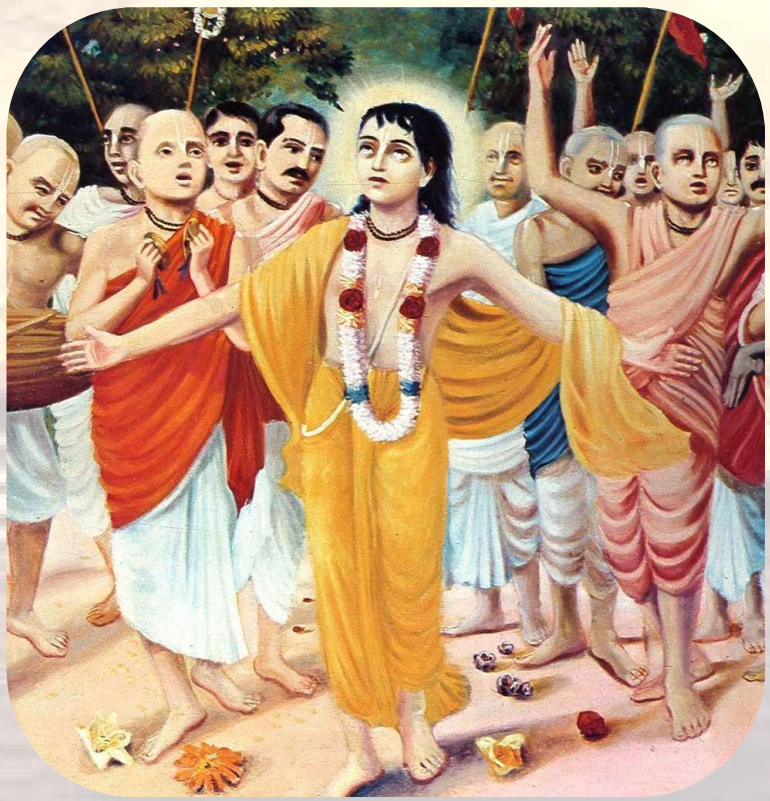

Include compositions attributed to poet-saints, most of whom expressed themselves orally in regional languages used by ordinary people.

संत कवियों की रचनाएँ हैं जिनमें उन्होंने जनसाधारण की क्षेत्रीय भाषाओं में मौखिक रूप से अपने को व्यक्त किया था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Compositions, which were often set to music, were compiled by disciples or devotees, generally after the death of the poet-saint.

यह रचनाएँ जो अधिकतर संगीतबद्ध हैं संतों के अनुयायियों द्वारा उनकी मृत्यु के उपरांत संकलित की गईं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

A Mosaic of Religious Beliefs and Practices

धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट

Visibility of a wide range of gods and goddesses in sculpture as well as in texts.

साहित्य और मूर्तिकला दोनों में ही अनेक तरह के देवी–देवता अधिकाधिक दृष्टिगत होते हैं।

Fig. 6.1
A twelfth-century bronze sculpture of Manikkavachakar, a devotee of Shiva who composed beautiful devotional songs in Tamil

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Worship of the major deities – Vishnu, Shiva and the goddess – each of whom was visualised in a variety of forms.

विष्णु, शिव और देवी, जिन्हें अनेक रूपों में व्यक्त किया गया था, की आराधना की परिपाटी न केवल चलती रही अपितु और अधिक विस्तृत हुई।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The integration of cults

पूजा प्रणालियों का समन्वय

Two processes at work.

दो प्रक्रियाएँ कार्यरत थीं।

One was a process of disseminating Brahmanical ideas.

एक प्रक्रिया ब्राह्मणीय विचारधारा के प्रचार की थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Composition, compilation and preservation of Puranic texts in simple Sanskrit verse

पौराणिक ग्रंथों की रचना, संकलन और परिरक्षण द्वारा हुआ। ये ग्रंथ सरल संस्कृत छंदों में थे।

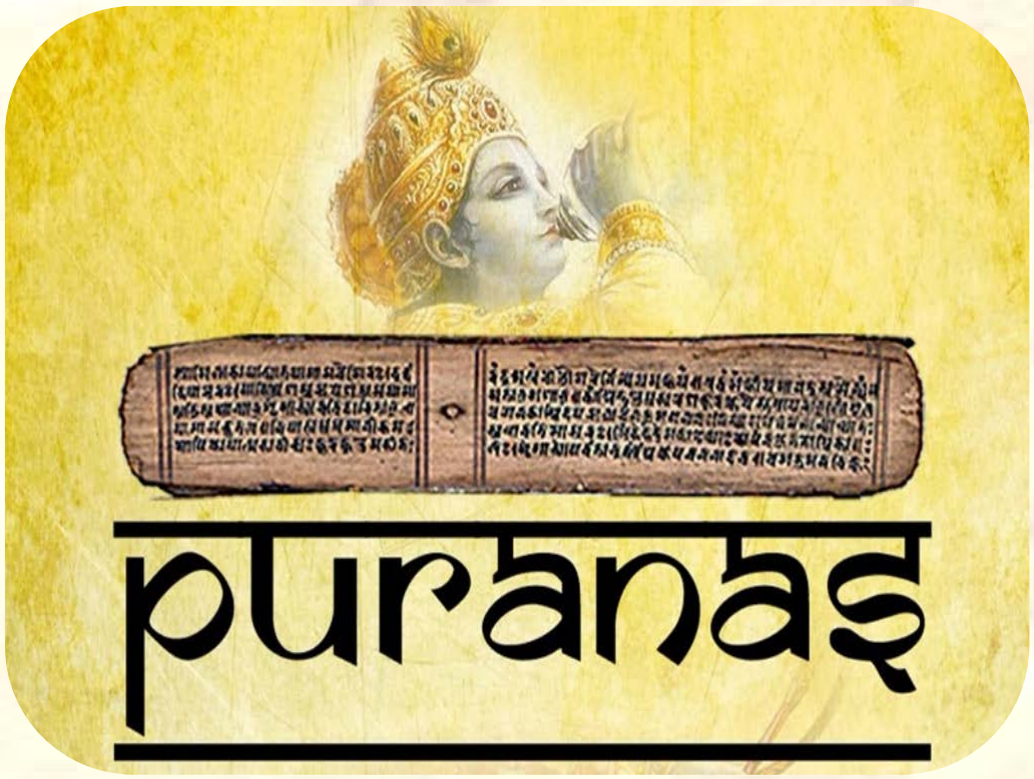

Be accessible to women and Shudras, who were generally excluded from Vedic learning.

वैदिक विद्या से विहीन स्त्रियों और शूद्रों द्वारा भी ग्राह्य थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Second process at work – that of the Brahmanas accepting and reworking the beliefs and practices of these and other social categories

एक अन्य प्रक्रिया थी स्त्री, शूद्रों व अन्य सामाजिक वर्गों की आस्थाओं और आचरणों को ब्राह्मणों द्वारा स्वीकृत किया जाना और उसे एक नया रूप प्रदान करना।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Fig. 6.2
Jagannatha (extreme right) with his sister Subhadra (centre) and his brother Balarama (left)

Puri, Orissa, where the principal deity was identified, by the twelfth century, as Jagannatha (literally, the lord of the world), a form of Vishnu.

पुरी, उड़ीसा में मिलता है जहाँ मुख्य देवता को बारहवीं शताब्दी तक आते–आते जगन्नाथ (शाब्दिक अर्थ में संपूर्ण विश्व का स्वामी), विष्णु के एक स्वरूप के रूप में प्रस्तुत किया गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

"Great" and "little" traditions

The terms great and little traditions were coined by a sociologist named Robert Redfield in the twentieth century to describe the cultural practices of peasant societies.

"महान" और "लघु" परंपराएँ

"महान" और "लघु" जैसे शब्द बीसवीं शताब्दी के समाजशास्त्री राबर्ट रेडफील्ड द्वारा एक कृषक समाज के सांस्कृतिक आचरणों का वर्णन करने के लिए मुद्रित किए गए।

He found that peasants observed rituals and customs that emanated from dominant social categories, including priests and rulers. These he classified as part of a great tradition.

इस समाजशास्त्री ने देखा कि किसान उन कर्मकांडों और पद्धतियों का अनुकरण करते थे जिनका समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग जैसे पुरोहित और राजा द्वारा पालन किया जाता था। इन कर्मकांडों को रेडफील्ड ने "महान" परंपरा की संज्ञा दी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

At the same time, peasants also followed local practices that did not necessarily correspond with those of the great tradition. These he included within the category of little tradition. He also noticed that both great and little traditions changed over time, through a process of interaction.

साथ ही कृषक समुदाय अन्य लोकाचारों का भी पालन करते थे जो इस महान परिपाटी से सर्वथा भिन्न थे। उसने इन्हें "लघु" परंपरा के नाम से अभिहित किया। रेडफील्ड ने यह भी देखा कि महान और लघु दोनों ही परंपराओं में समय के साथ हुए पारस्परिक आदान–प्रदान के कारण परिवर्तन हुए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

While scholars accept the significance of these categories and processes, they are often uncomfortable with the hierarchy suggested by the terms great and little. The use of quotation marks for "great" and "little" is one way of indicating this.

हालाँकि विद्वान इन प्रक्रियाओं और वर्गीकरण के महत्व से इनकार नहीं करते तथापि वे इन शब्दों में जो पदसोपानात्मक स्वर उभर कर आता है उसकी अवमानना करते हैं। इसे लक्षित करने का एक तरीका है इन शब्दों को उद्धरण चिह्न के साथ प्रस्तुत करना जैसे "लघु" और "महान"।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Fig. 6.3
Sculpture of a Buddhist goddess, Marichi (c. tenth century, Bihar), an example of the process of integration of different religious beliefs and practices

A local deity, whose image was and continues to be made of wood by local tribal specialists, was recognised as a form of Vishnu.

एक स्थानीय देवता को जिसकी प्रतिमा को पहले और आज भी लकड़ी से स्थानीय जनजाति के विशेषज्ञों द्वारा गढ़ा जाता है, विष्णु के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Difference and conflict

भेद और संघर्ष

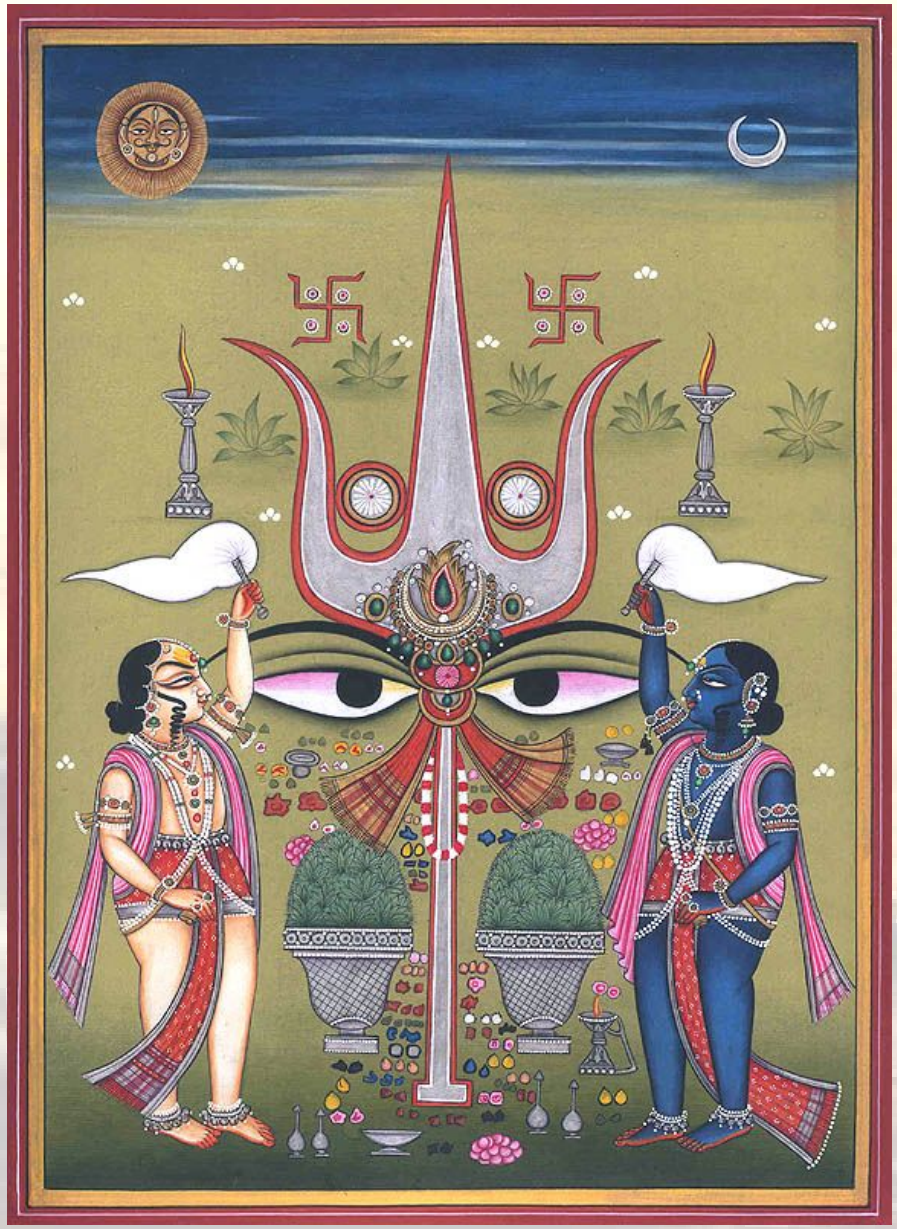

Tantric

तांत्रिक

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Open to women and men, and practitioners often ignored differences of caste and class within the ritual context.

स्त्री और पुरुष दोनों ही शामिल हो सकते थे। इसके अतिरिक्त कर्मकांडीय संदर्भ में वर्ग और वर्ण के भेद की अवहेलना की जाती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Principal deities of the Vedic pantheon, Agni, Indra and Soma, become marginal figures, rarely visible in textual or visual representations.

वैदिक देवकुल के अग्नि, इंद्र और सोम जैसे देवता पूरी तरह गौण हो गए और साहित्य व मूर्तिकला दोनों में ही उनका निरूपण नहीं दिखता।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

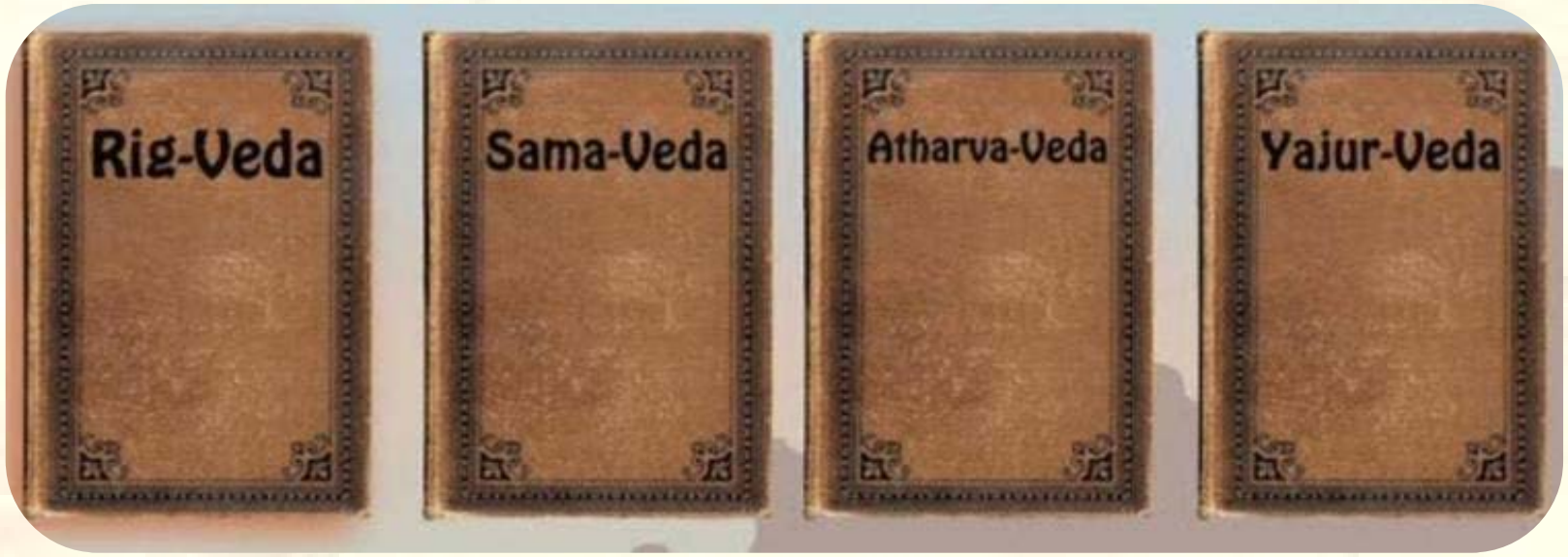

Vedas continued to be revered as authoritative.

वेदों को प्रामाणिक माना जाता रहा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Conflicts as well – those who valued the Vedic tradition often condemned practices that went beyond the closely regulated contact with the divine through the performance of sacrifices or precisely chanted mantras

कभी संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती थी। वैदिक परिपाटी के प्रशंसक उन सभी आचारों की निंदा करते थे जो ईश्वर की उपासना के लिए मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञों के संपादन से परे थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Those engaged in Tantric practices frequently ignored the authority of the Vedas.

वे लोग थे जो तांत्रिक आराधना में लगे थे और वैदिक सत्ता की अवहेलना करते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Singing and chanting of devotional compositions was often a part of

भक्ति रचनाओं का उच्चारण अथवा गाया जाना, अंश थे।

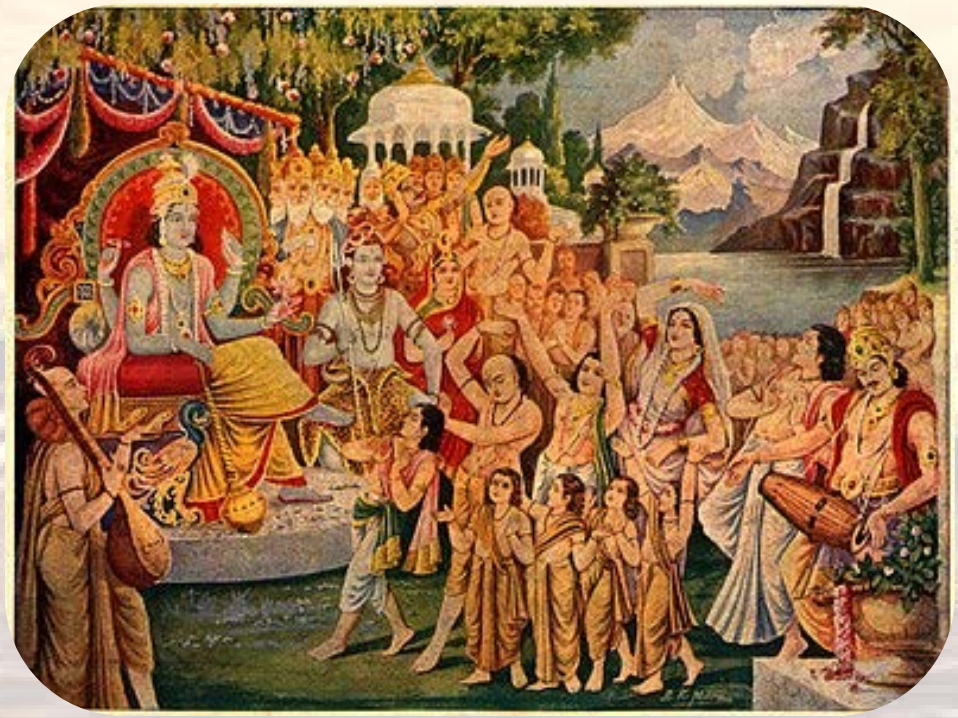

Modes of worship. This was particularly true of the Vaishnava and Shaiva sects.

उपासना पद्धति के वैष्णव और शैव संप्रदायों पर तो यह कथन विशेष रूप से लागू होता है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Poems of Prayer (Early Traditions of Bhakti)

उपासना की कविताएँ (प्रारंभिक भक्ति परंपरा)

Poet-saints emerged as leaders around whom there developed a community of devotees.

संत कवि ऐसे नेता के रूप में उभरे जिनके आस–पास भक्तजनों के एक पूरे समुदाय का गठन हो गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

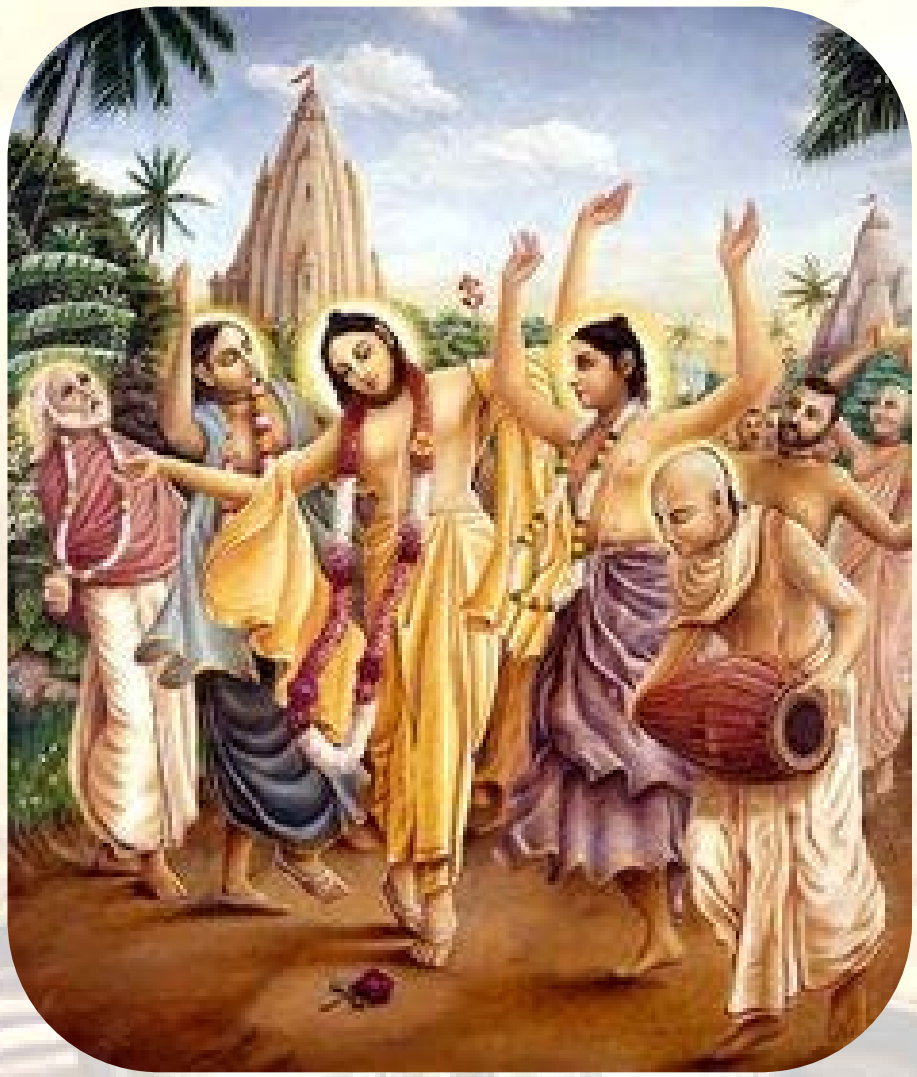

Brahmanas remained important intermediaries between gods and devotees in several forms of bhakti, these traditions also accommodated and acknowledged women and the "lower castes", categories considered ineligible for liberation within the orthodox Brahmanical framework.

भक्ति परंपराओं में ब्राह्मण, देवताओं और भक्तजन के बीच महत्वपूर्ण बिचौलिए बने रहे तथापि इन परंपराओं ने स्त्रियों और "निम्न वर्णों" को भी स्वीकृति व स्थान दिया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Bhakti traditions into two broad categories: saguna (with attributes)

भक्ति परंपरा को दो मुख्य वर्गों में बाँटते हैं : सगुण (विशेषण सहित)

Nirguna (without attributes)

निर्गुण (विशेषण विहीन)।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Former included traditions that focused on the worship of specific deities such as Shiva, Vishnu and his avatars (incarnations) and forms of the goddess or Devi,

प्रथम वर्ग में शिव, विष्णु तथा उनके अवतार व देवियों की आराधना आती है,

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Nirguna bhakti on the other hand was worship of an abstract form of god.

निर्गुण भक्ति परंपरा में अमूर्त, निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Alvars and Nayanars of Tamil Nadu

तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत

Alvars (literally, those who are "immersed" in devotion to Vishnu)

अलवारों (विष्णु भक्ति में तन्मय)

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

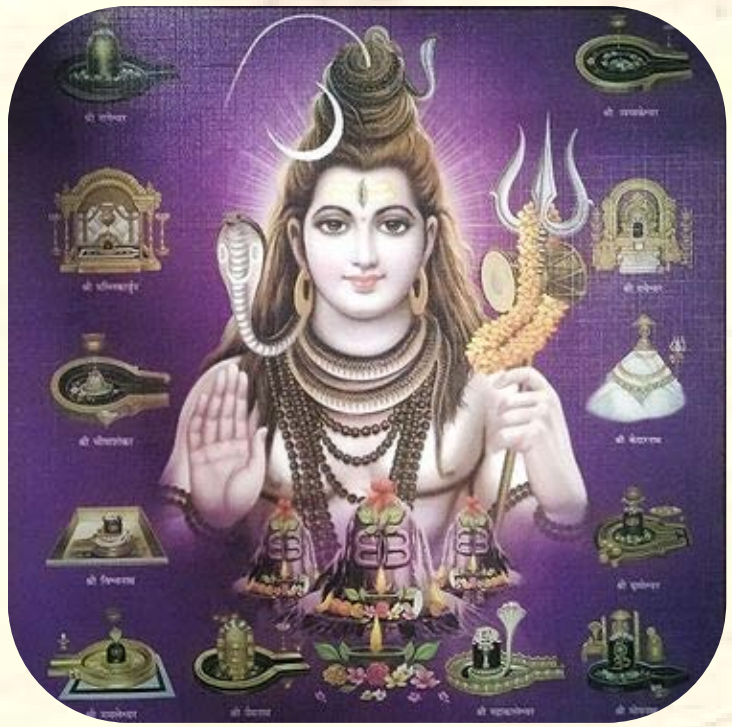

Nayanars (literally, leaders who were devotees of Shiva).

नयनारों (शिवभक्त)

Singing hymns in Tamil in praise of their gods.

तमिल में अपने ईष्ट की स्तुति में भजन गाते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Alvars and Nayanars identified certain shrines as abodes of their chosen deities.

अलवार और नयनार संतों ने कुछ पावन स्थलों को अपने इष्ट का निवासस्थल घोषित किया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The chaturvedin (Brahmana versed in the four Vedas) and the "outcaste"

This is an excerpt from a composition of an Alvar named Tondaradippodi, who was a Brahmana:

चतुर्वेदी (चारों वेदों के ज्ञाता ब्राह्मण) और "अस्पृश्य"

यह उद्धरण तोंदराडिप्पोडि नामक एक ब्राह्मण अलवार के काव्य से लिया गया है:

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

You (Vishnu) manifestly like

those "servants" who express their love for your feet,

though they may be born outcastes, more than

the Chaturvedins who are strangers and without allegiance to your service.

चतुर्वेदी जो अजनबी हैं और तुम्हारी सेवा के प्रति निष्ठा नहीं रखते, उनसे भी ज़्यादा आप (हे विष्णु) उन "दासों" को पसंद करते हैं, जो आपके चरणों से प्रेम रखते हैं, चाहे वे वर्ण–व्यवस्था के परे हों।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shastras or devotion?

This is a verse composed by Appar, a Nayanar saint:

O rogues who quote the law books,

Of what use are your gotra and kula?

शास्त्र या भक्ति

यह छंद अप्पार नामक नयनार संत की रचना है :

हे धूर्तजन, जो तुम शास्त्र को उद्धृत करते हो

तुम्हारा गोत्र और कुल भला किस काम का?

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Just bow to Marperu's lord (Shiva who resides in Marperu, in Thanjavur, Tamil Nadu) as your sole refuge.

तुम केवल मारपेरू के स्वामी (शिव जो तमिलनाडु के तंजावुर जिले के मारपेरू में बसते हैं।) को अपना एकमात्र आश्रयदाता मानकर नतमस्तक हो।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Attitudes towards caste

जाति के प्रति दृष्टिकोण

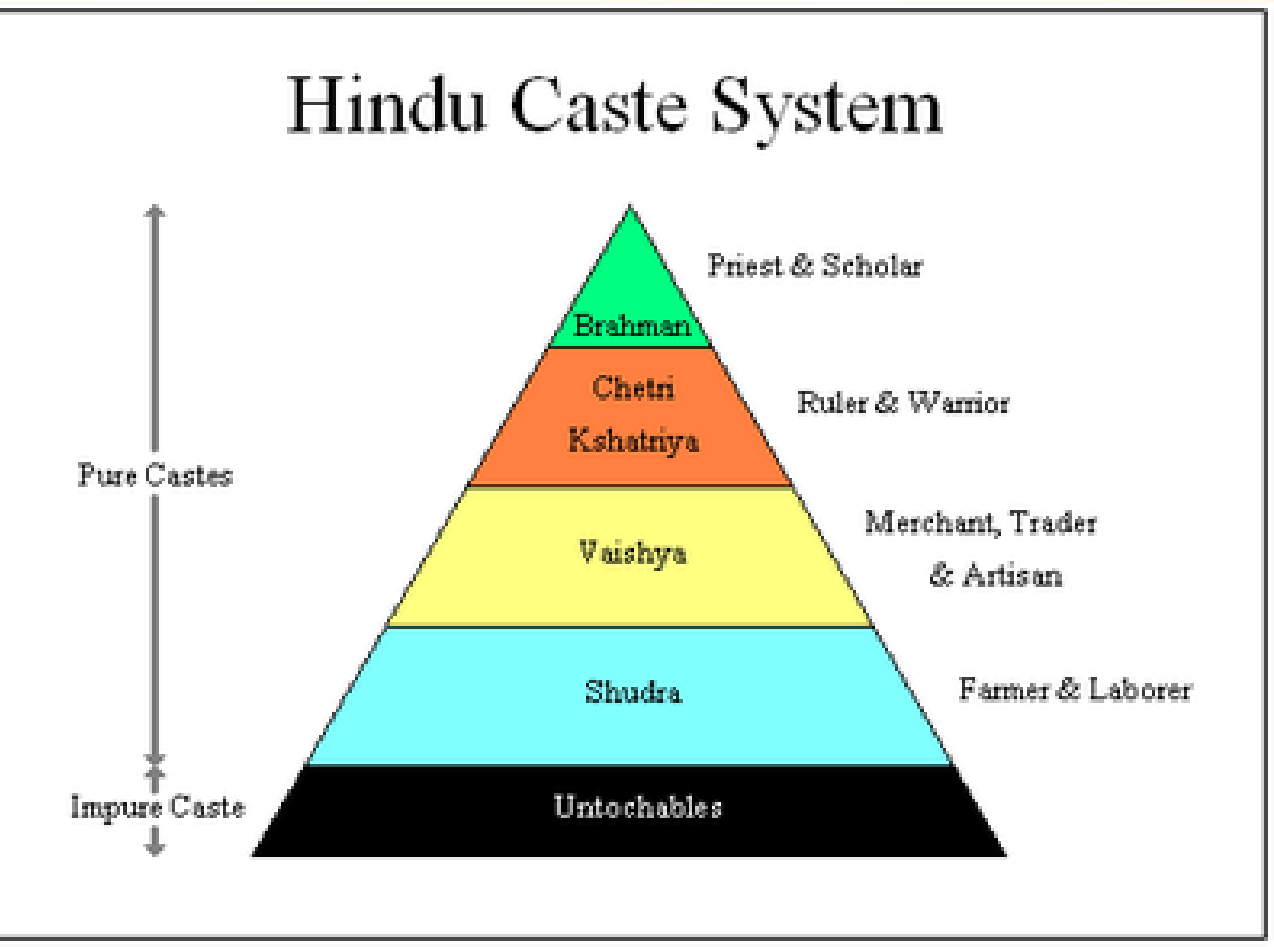

Alvars and Nayanars initiated a movement of protest against the caste system and the dominance of Brahmanas or at least attempted to reform the system.

अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा व ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज़ उठाई।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

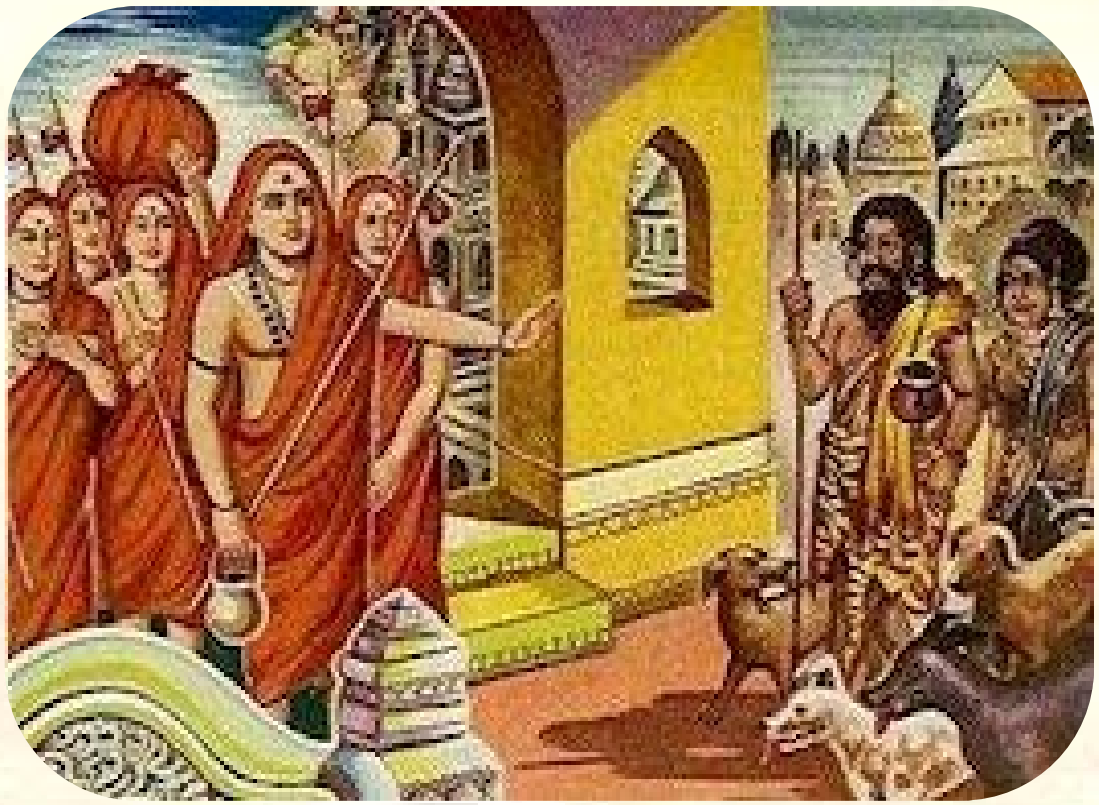

Castes considered "untouchable"

जातियों से आए थे जिन्हें "अस्पृश्य" माना जाता था।

Compositions were as important as the Vedas.

वेद जितना महत्त्वपूर्ण बताकर

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Compilations of devotional literature

By the tenth century the compositions of the 12 Alvars were compiled in an anthology known as the Nalayira Divyaprabandham ("Four Thousand Sacred Compositions").

भक्ति साहित्य का संकलन

दसवीं शताब्दी तक आते–आते बारह अलवारों की रचनाओं का एक संकलन कर लिया गया जो नलयिरादिव्यप्रबंधम् ("चार हज़ार पावन रचनाएँ") के नाम से जाना जाता है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The poems of Appar, Sambandar and Sundarar form the Tevaram, a collection that was compiled and classified in the tenth century on the basis of the music of the songs.

दसवीं शताब्दी में ही अप्पार संबंदर और सुंदरार की कविताएँ तवरम नामक संकलन में रखी गईं जिसमें कविताओं का संगीत के आधार पर वर्गीकरण हुआ।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Women devotees

स्त्री भक्त

Compositions of Andal, a woman Alvar, were widely sung (and continue to be sung to date).

अंडाल नामक अलवार स्त्री के भक्ति गीत व्यापक स्तर पर गाए जाते थे (और आज भी गाए जाते हैं)।

Herself as the beloved of Vishnu; her verses express her love for the deity.

स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेमभावना को छंदों में व्यक्त करती थीं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Karaikkal Ammaiyar, a devotee of Shiva, adopted the path of extreme asceticism in order to attain her goal

शिवभक्त करइक्काल अम्मइयार ने अपने उद्देश्य प्राप्ति हेतु घोर तपस्या का मार्ग अपनाया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Relations with the state

राज्य के साथ संबंध

One of the major themes in Tamil bhakti hymns is the poets' opposition to Buddhism and Jainism. This is particularly marked in the compositions of the Nayanars.

तमिल भक्ति रचनाओं की एक मुख्य विषयवस्तु बौद्ध और जैन धर्म के प्रति उनका विरोध है। विरोध का स्वर नयनार संतों की रचनाओं में विशेष रूप से उभर कर आता है।

JAINISM

BUDDHISM

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Fig. 6.4
A twelfth-century bronze image of Karaikkal Ammaiyar

A demon?

This is an excerpt from a poem by Karaikkal Ammaiyar in which she describes herself:

The female Pey (demoness)

with . . . bulging veins,

एक राक्षसी?

यह उद्धरण कराइक्काल अम्मइयार की कविता से लिया गया है, जहाँ वे स्वयं का वर्णन कर रही हैं:

राक्षसी, फूली हुई नाड़ियों वाली

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Fig. 6.4
A twelfth-century bronze image of Karaikkal Ammaiyar

protruding eyes, white teeth and shrunken stomach,

red haired and jutting teeth

lengthy shins extending till the ankles,

बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा उदर लाल केश और आगे निकले दाँत,

लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

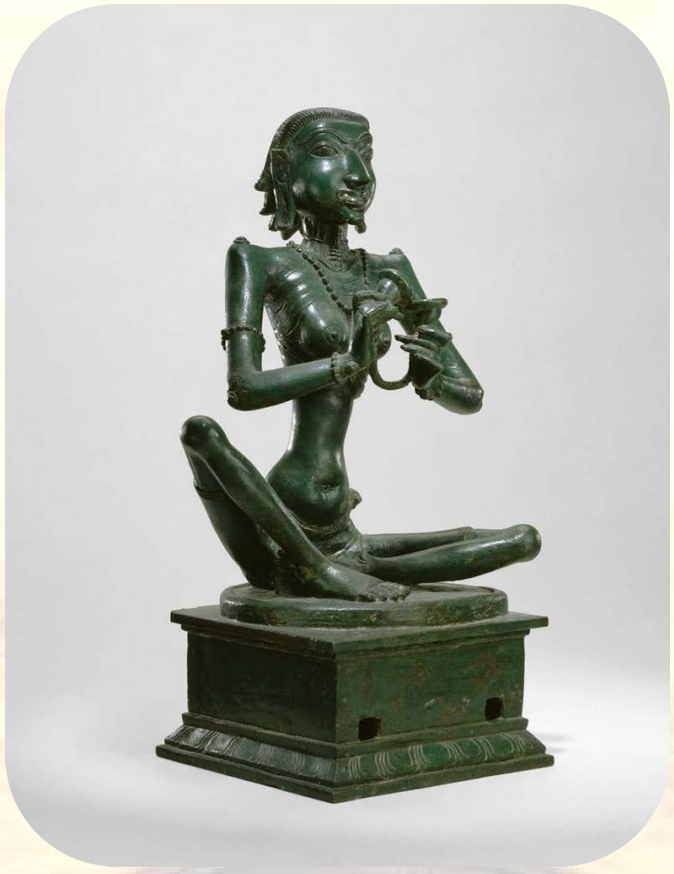

Fig. 6.4
A twelfth-century bronze image of Karaikkal Ammaiyar

shouts and wails

while wandering in the forest.

This is the forest of Alankatu

वन में विचरते समय चीखना और

क्रंदन यह अलंकटु का वन है,

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Fig. 6.4
A twelfth-century bronze image of Karaikkal Ammaiyar

which is the home of our father (Shiva)

who dances ... with his matted hair

thrown in all eight directions, and with cool limbs.

वन में विचरते समय जो हमारे पिता (शिव) का घर है।

वह नृत्य करते हैं..... उनके जटाजूट आठों ओर बिखर जाते हैं।

उनके अंग शांत हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Powerful Chola rulers

शक्तिशाली चोल

Supported Brahmanical and bhakti traditions, making land grants and constructing temples for Vishnu and Shiva.

सम्राटों ने ब्राह्मणीय और भक्ति परंपरा को समर्थन दिया तथा विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए भूमि–अनुदान दिए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Chola kings

चोल सम्राटों

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Claim divine support and proclaim their own power and status by building splendid temples that were adorned with stone and metal sculpture to recreate the visions of these popular saints who sang in the language of the people.

दैवीय समर्थन पाने का दावा किया और अपनी सत्ता के प्रदर्शन के लिए सुंदर मंदिरों का निर्माण कराया जिनमें पत्थर और धातु से बनी मूर्तियाँ सुसज्जित थीं। इस तरह इन लोकप्रिय संत–कवियों की परिकल्पना को, जो जन–भाषाओं में गीत रचते व गाते थे, मूर्त रूप प्रदान किया गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Virashaiva Tradition in Karnataka

कर्नाटक की वीरशैव परंपरा

Movement in Karnataka, led by a Brahmana named Basavanna

कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उद्भव हुआ जिसका नेतृत्व बासवन्ना नामक एक ब्राह्मण ने किया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Was a minister in the court of a Kalachuri ruler. His followers were known as Virashaivas (heroes of Shiva) or Lingayats (wearers of the linga).

बासवन्ना कलाचुरी राजा के दरबार में मंत्री थे। इनके अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) व लिंगायत (लिंग धारण करने वाले) कहलाए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Worship Shiva

शिव की आराधना

Lingayats believe that on death the devotee will be united with Shiva and will not return to this world.

लिंगायतों का विश्वास है कि मृत्योपरांत भक्त शिव में लीन हो जाएँगे तथा इस संसार में पुनः नहीं लौटेंगे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

They do not practise funerary rites such as cremation,

श्राद्ध संस्कार का वे पालन नहीं करते और अपने मृतकों को विधिपूर्वक दफनाते हैं।

Lingayats challenged the idea of caste

लिंगायतों ने जाति की अवधारणा का विरोध किया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Also questioned the theory of rebirth.

पुनर्जन्म के सिद्धांत पर भी उन्होंने प्रश्नवाचक चिह्न लगाया।

Virashaiva tradition is derived from vachanas (literally, sayings) composed in Kannada by women and men who joined the movement

वीरशैव परंपरा की व्युत्पत्ति उन वचनों से है जो कन्नड़ भाषा में उन स्त्री पुरुषों द्वारा रचे गए जो इस आंदोलन में शामिल हुए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Rituals and the real world

Here is a vachana composed by Basavanna:

When they see a serpent carved in stone they pour milk on it.

अनुष्ठान और यथार्थ संसार

यह बासवन्ना द्वारा रचित एक वचन है:

जब वे एक पत्थर से बने सर्प को देखते हैं तो उस पर दूध चढ़ाते हैं

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

If a real serpent comes they say: "Kill. Kill."

To the servant of the god who could eat if served they say: "Go away! Go away!"

But to the image of the god which cannot eat they offer dishes of food.

यदि असली साँप आ जाए तो कहते हैं "मारो–मारो"।

देवता के उस सेवक को, जो भोजन परसने पर खा सकता है वे कहते हैं "चले जाओ! चले जाओ।"

किन्तु ईश्वर की प्रतिमा को जो खा नहीं सकती, वे व्यंजन परोसते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

New religious developments

This period also witnessed two major developments. On the one hand, many ideas of the Tamil bhaktas (especially the Vaishnavas) were incorporated within the Sanskritic tradition, culminating in the composition of one of the best-known Puranas, the Bhagavata Purana. Second, we find the development of traditions of bhakti in Maharashtra in the thirteenth century

नए धार्मिक विकास

मध्यवर्ती शताब्दियों में 2 मुख्य विकास देखने में आए। एक ओर तो तमिल भक्तों (खासतौर से वैष्णव) के विचारों को संस्कृत परंपरा में समाहित कर लिया गया जिसका परिणाम सर्वाधिक प्रसिद्ध पुराणों में से एक भागवत पुराण की रचना थी। दूसरे, तेहरवीं शताब्दी में भक्ति परंपरा का विकास महाराष्ट्र में हुआ।

Religious Ferment in North India

उत्तरी भारत में धार्मिक उफ़ान

North India

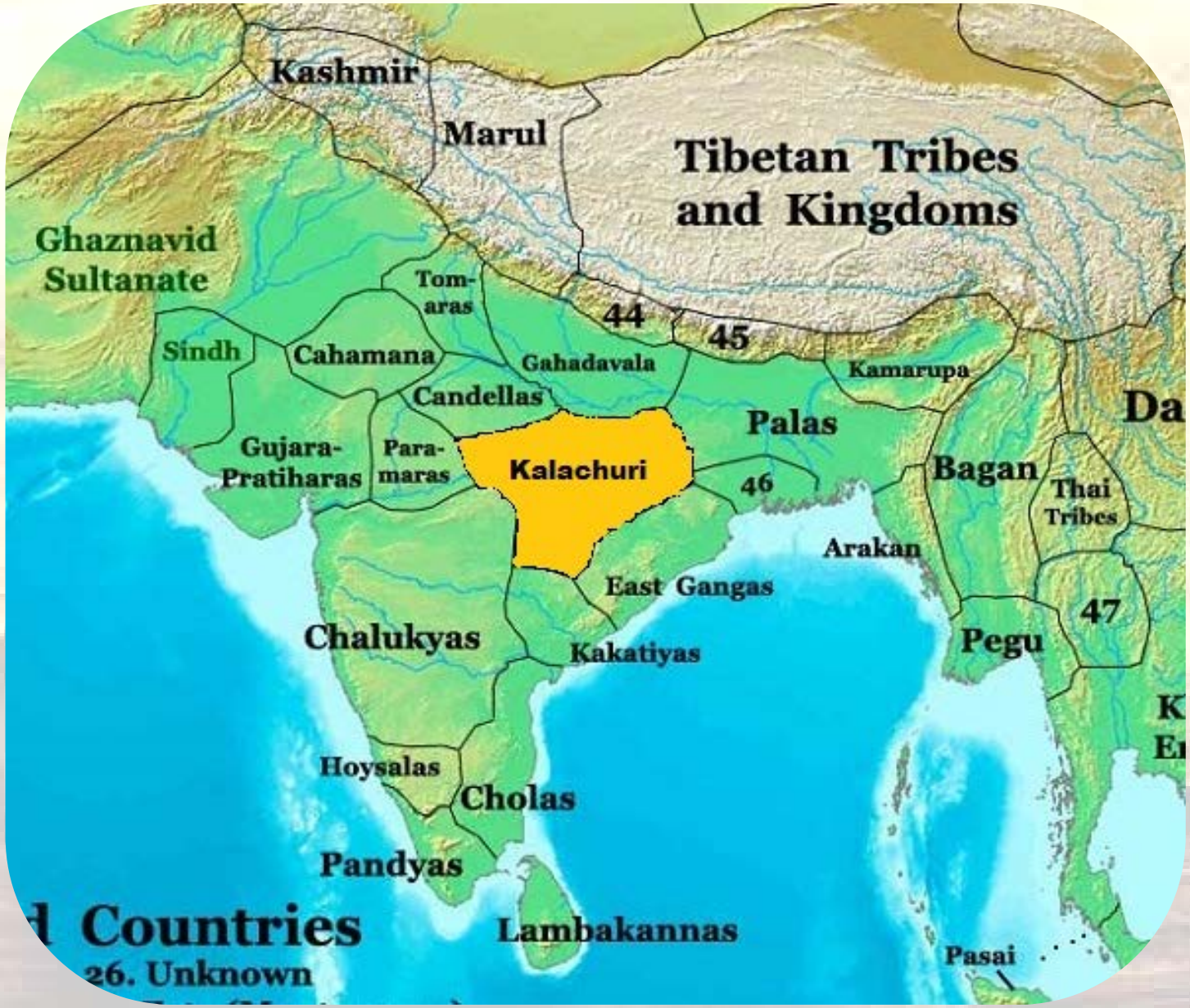

उत्तरी भारत

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Vishnu and Shiva were worshipped in temples, often built with the support of rulers.

विष्णु और शिव जैसे देवताओं की उपासना मंदिरों में की जाती थी जिन्हें शासकों की सहायता से निर्मित किया जाता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

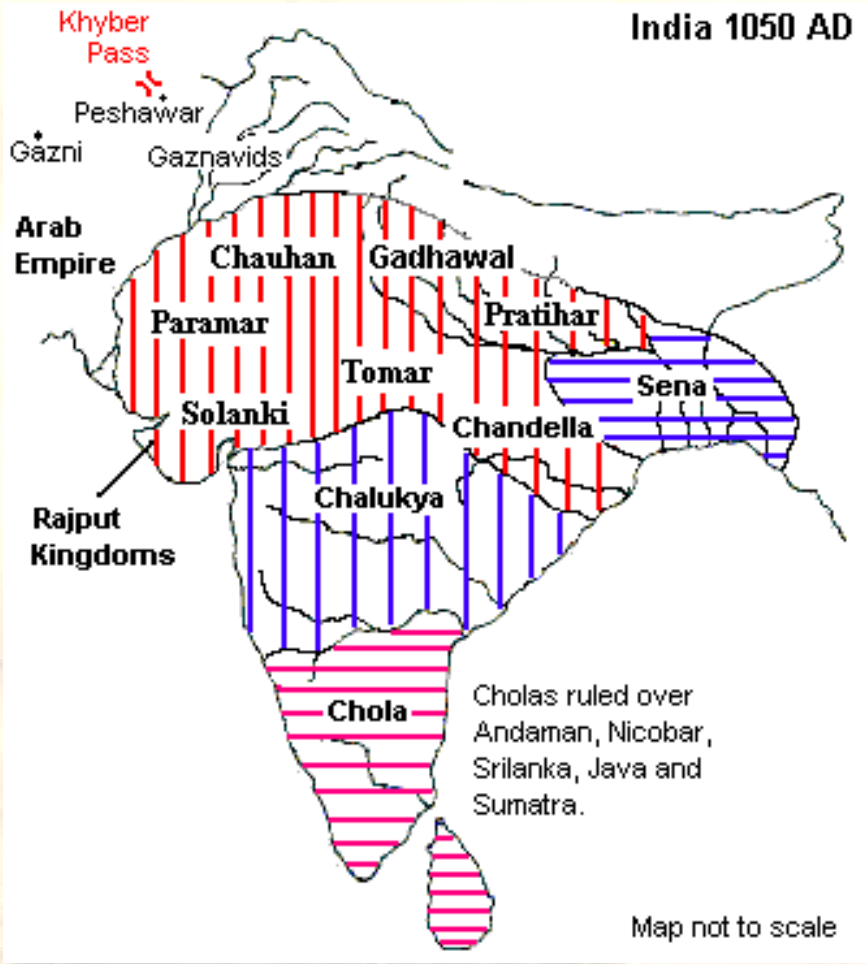

Rajput states

राजपूत राज्यों

Brahmanas occupied positions of importance,

ब्राह्मणों का महत्त्वपूर्ण स्थान था

Little or no attempt to challenge their position directly.

प्रभुसत्ता को सीधे चुनौती देने का प्रयास शायद ही किसी ने किया।

Same time other religious leaders, who did not function within the orthodox Brahmanical framework, were gaining ground.

इसी समय वे धार्मिक नेता जो रूढ़िवादी ब्राह्मणीय साँचे के बाहर थे, उनके प्रभाव में विस्तार हो रहा था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Included the Naths, Jogis and Siddhas.

नाथ, जोगी और सिद्ध शामिल थे।

A Mughal painting depicting Emperor Jahangir with a Jogi

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

New religious leaders questioned the authority of the Vedas,

नवीन धार्मिक नेताओं ने वेदों की सत्ता को चुनौती दी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Religious leaders were not in a position to win the support of the ruling elites.

धार्मिक नेता विशिष्ट शासक वर्ग का प्रश्रय हासिल करने की स्थिति में नहीं थे।

Coming of the Turks

तुर्कों का आगमन

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Establishment of the Delhi Sultanate

दिल्ली सल्तनत की स्थापना

Undermined the power of many of the Rajput states and the Brahmanas

सल्तनत की स्थापना से राजपूत राज्यों का और उनसे जुड़े ब्राह्मणों का पराभव हुआ।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

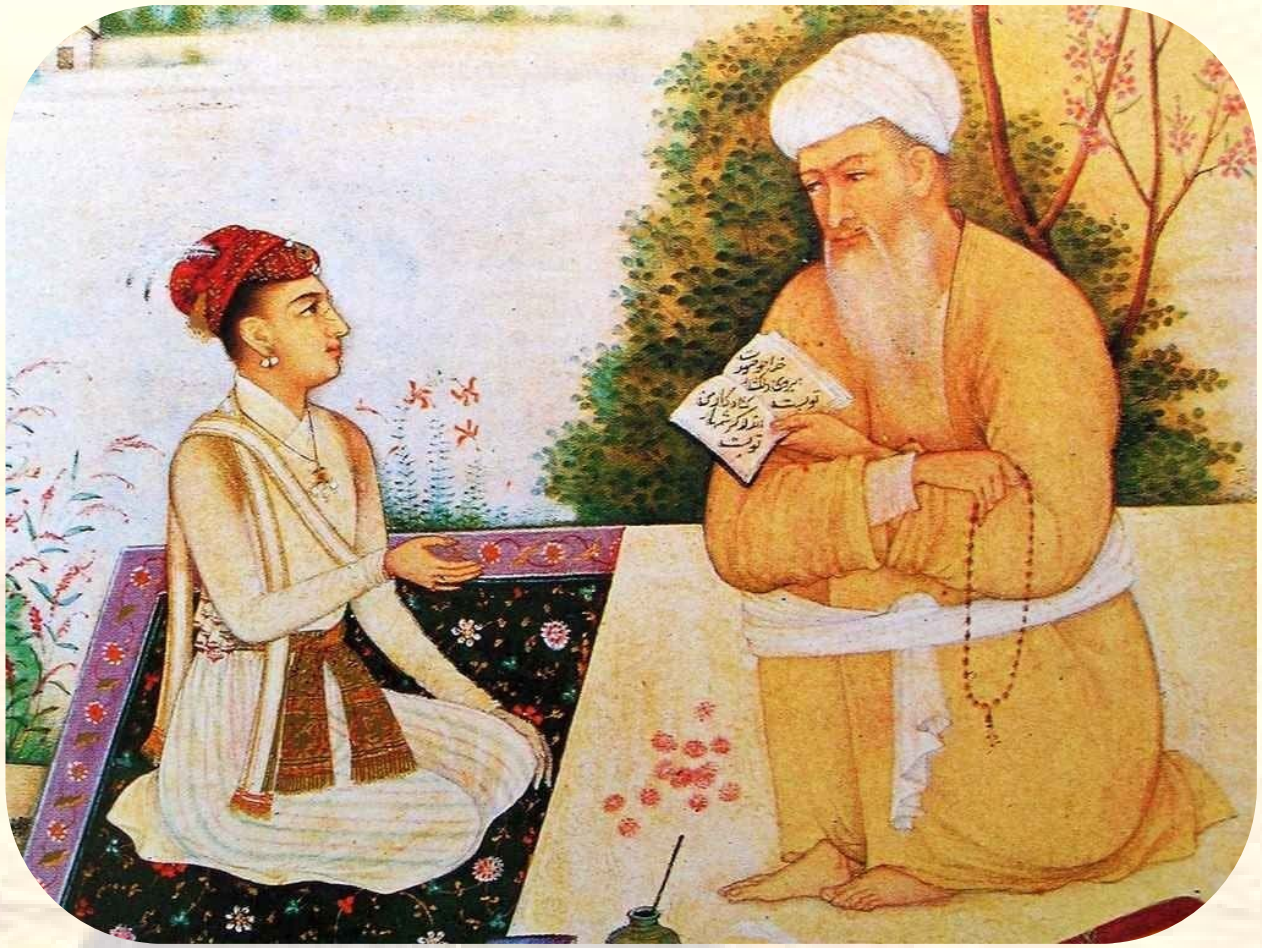

Coming of the sufis

सूफ़ियों का आगमन

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Ulama (plural of alim, or one who knows) are scholars of Islamic studies. As preservers of this tradition they perform various religious, juridical and teaching functions.

उलमा (आलिम का बहुवचन) इस्लाम धर्म के ज्ञाता थे। इस परिपाटी के संरक्षक होने के नाते वे धार्मिक, कानूनी और अध्यापन संबंधी ज़िम्मेदारी निभाते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Faiths of rulers and subjects

शासकों और शासितों के धार्मिक विश्वास

Turks and Afghans established the Delhi Sultanate.

तुर्क और अफगानों ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी।

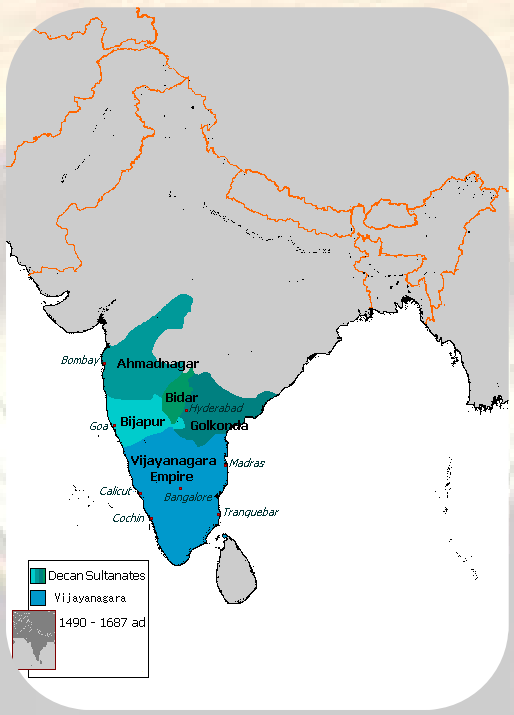

Followed by the formation of Sultanates in the Deccan

दक्कन में भी सल्तनत की सीमा का प्रसार हुआ।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Islam was an acknowledged religion of rulers

इस्लाम शासकों का स्वीकृत धर्म था।

Muslim rulers were to be guided by the ulama, who were expected to ensure that they ruled according to the shari'a.

मुसलमान शासकों को उलमा के मार्गदर्शन पर चलना होता था। उलमा से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे शासन में शरिया का अमल सुनिश्चित करवाएँगे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

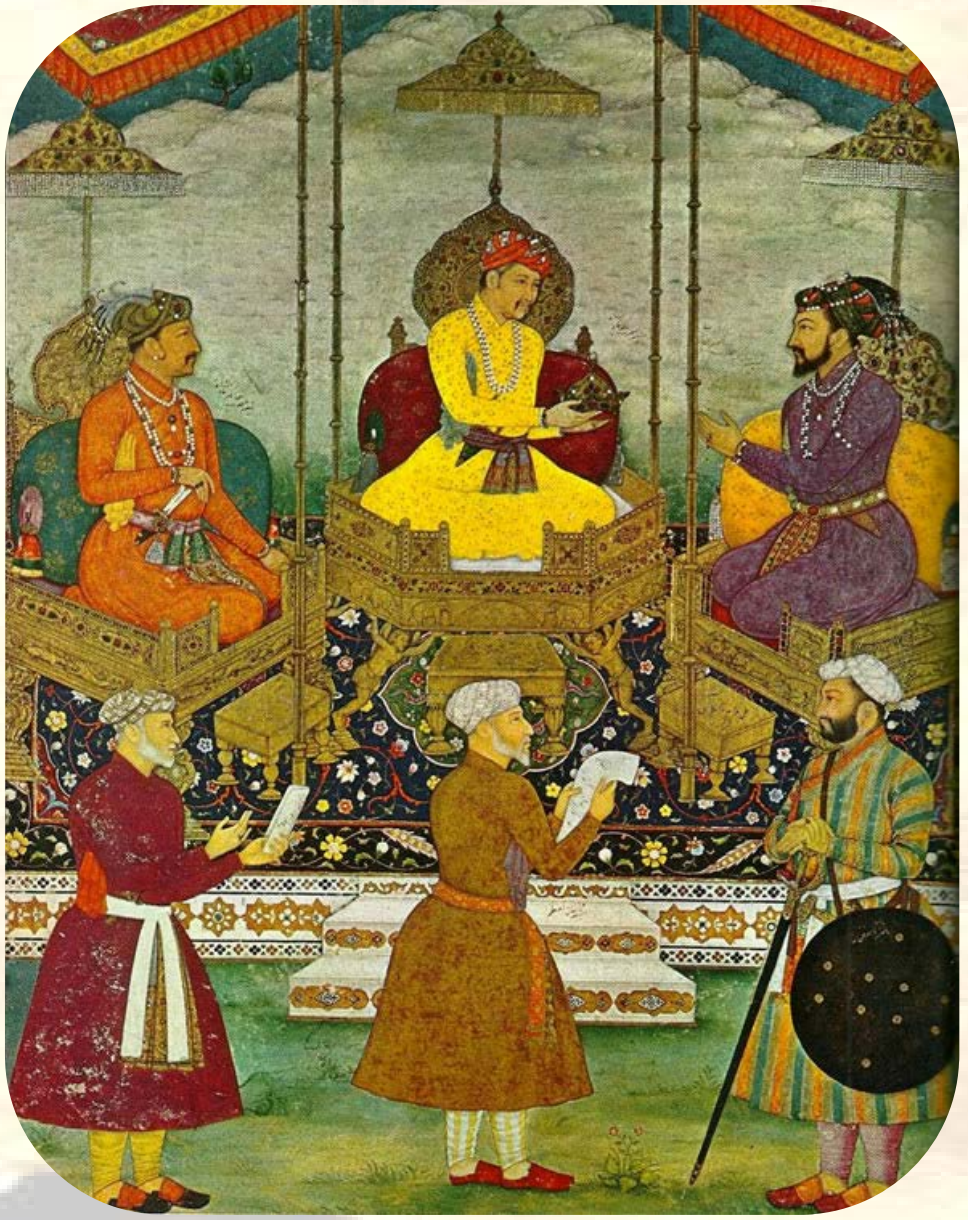

Zimmi, meaning protected

ज़िम्मी अर्थात संरक्षित

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Developed for people who followed revealed scriptures, such as the Jews and Christians, and lived under Muslim rulership. They paid a tax called jizya and gained the right to be protected by Muslims.

ज़िम्मी वे लोग थे जो उद्घटित धर्मग्रंथ को मानने वाले थे जैसे इस्लामी शासकों के क्षेत्र में रहने वाले यहूदी और ईसाई। ये लोग जज़िया नामक कर चुका कर मुसलमान शासकों द्वारा संरक्षण दिए जाने के अधिकारी हो जाते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Mughals came to regard themselves as emperors of not just Muslims but of all peoples.

मुगल शासक अपने आपको न केवल मुसलमानों का अपितु सारे समुदायों का बादशाह मानते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shari'a

The shari'a is the law governing the Muslim community. It is based on the Qur'an and the hadis, traditions of the Prophet including a record of his remembered words and deeds

शरिया

शरिया मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है। यह कुरान शरीफ़ और हदीस पर आधारित है। हदीस का अर्थ है पैगम्बर साहब से जुड़ी परंपराएँ जिनके अंतर्गत उनके स्मृत शब्द और क्रियाकलाप भी आते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

With the expansion of Islamic rule outside Arabia, in areas where customs and traditions were different, qiyas (reasoning by analogy) and ijma (consensus of the community) were recognised as two other sources of legislation. Thus, the shari'a evolved from the Qur'an, hadis, qiyas and ijma.

जब अरब क्षेत्र से बाहर इस्लाम का प्रसार हुआ जहाँ के आचार–व्यवहार भिन्न थे तो क़ियास (सदृशता के आधार पर तर्क) और इजमा (समुदाय की सहमति) को भी कानून का स्रोत माना जाने लगा। इस तरह शरिया, कुरान, हदीस, क़ियास और इजमा से उद्भूत हुआ।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

A church in Khambat

This is an excerpt from a farman (imperial order) issued by Akbar in 1598: Whereas it reached our eminent and holy notice that the padris (fathers) of the Holy Society of Jesus wish to build a house of prayer (church) in the city of Kambayat (Khambat, in Gujarat);

खम्बात का गिरजाघर

यह उद्धरण उस फ़रमान (बादशाह के हुक्मनामे) का अंश है जिसे 1598 में अकबर ने जारी किया : हमारे बुलंद और मुकद्दस (पवित्र) ज़ेहन में पहुँचा है कि यीशु की मुकद्दस जमात के पादरी खम्बायत गुजरात के शहर में इबादत के लिए (गिरजाघर) एक इमारत की तामीर (निर्माण) करना चाहते हैं;

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Therefore an exalted mandate ... is being issued, ... that the dignitaries of the city of Kambayat should in no case stand in their way but should allow them to build a church so that they may engage themselves in their own worship. It is necessary that the order of the Emperor should be obeyed in every way.

इसलिए यह शाही फ़रमान.... जारी किया जा रहा है.... खम्बायत के महानुभाव किसी भी तरह उनके रास्ते में न आएँ और उन्हें गिरजाघर की तामीर करने दें जिससे वे अपनी इबादत कर सकें। यह ज़रूरी है कि बादशाह के इस फ़रमान की हर तरह से तामील (पालन) हो।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Reverence for the Jogi

Here is an excerpt from a letter written by Aurangzeb to a Jogi in 1661-62:

The possessor of the sublime station, Shiv Murat, Guru Anand Nath Jio!

जोगी के प्रति श्रद्धा

यह उद्धरण 1661–62 में औरंगज़ेब द्वारा एक जोगी को लिखे पत्र का अंश है :

बुलंद मकाम शिवमूरत गुरु आनंद नाथ जियो!

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

May your Reverence remain in peace and happiness ever under the protection of Sri Shiv Jio!

जनाब–ए–मुहतरम (श्रद्धेय) अमन और खुशी से हमेशा श्री शिव जियो की पनाह में रहें!

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

A piece of cloth for the cloak and a sum of twenty five rupees which have been sent as an offering will reach (Your Reverence) ... Your Reverence may write to us whenever there is any service which can be rendered by us.

पोशाक के लिए वस्त्र और पच्चीस रुपए की रकम जो भेंट के तौर पर भेजी गई है आप तक पहुँचेगी... जनाब–ए–मुहतरम आप हमें लिख सकते हैं जब भी हमारी मदद की ज़रूरत हो।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The popular practice of Islam

लोक प्रचलन में इस्लाम

Those who adopted Islam accepted, in principle, the five "pillars" of the faith:

जिन्होंने इस्लाम धर्म कबूल किया उन्होंने सैद्धांतिक रूप से इसकी पाँच मुख्य 'बातें' मानीं :

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

That there is one God, Allah, and Prophet Muhammad is his messenger (shahada); offering prayers five times a day (namaz/salat); giving alms (zakat); fasting during the month of Ramzan (sawm); and performing the pilgrimage to Mecca (hajj).

अल्लाह एकमात्र ईश्वर है; पैगम्बर मोहम्मद उनके दूत (शाहद) हैं; दिन में पाँच बार नमाज़ पढ़ी जानी चाहिए; खैरात (ज़कात) बाँटनी चाहिए; रमज़ान के महीने में रोज़ा रखना चाहिए और हज के लिए मक्का जाना चाहिए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- Arab Muslim traders who settled along the Malabar coast (Kerala) adopted the local language, Malayalam.

- अरब मुसलमान व्यापारी जो मालाबार तट (केरल) के किनारे बसे, उन्होंने न केवल स्थानीय मलयालम भाषा को अपनाया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- They also adopted local customs such as matriliny (Chapter 3) and matrilocal residence
- स्थानीय आचारों जैसे मातृकुलीयता (अध्याय 3) और मातृगृहता को भी अपनाया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Architectural features of mosques are universal – such as their orientation towards Mecca, evident in the placement of the mihrab (prayer niche) and the minbar (pulpit).

मस्जिदों के कुछ स्थापत्य संबंधी तत्व सार्वभौमिक थे–जैसे इमारत का मक्का की तरफ़ अनुस्थापन जो मेहराब (प्रार्थना का आला) और मिम्बर (व्यासपीठ) की स्थापना से लक्षित होता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Matrilocal residence is a practice where women after marriage remain in their natal home with their children and the husbands may come to stay with them.

मातृगृहता वह परिपाटी है जहाँ स्त्रियाँ विवाह के बाद अपने मायके में ही अपनी संतान के साथ रहती हैं और उनके पति उनके साथ आकर रह सकते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Matriliny – Tracing of Kinship through the female line.

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Names for communities

समुदायों के नाम

Historians who have studied Sanskrit texts

जन इतिहासकारों ने संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन किया है।

Point out that the term musalman or Muslim was virtually never used

इनमें मुसलमान, शब्द का शायद ही कहीं प्रयोग हुआ हो।

Instead, people were occasionally identified in terms of the region from which they came.

इसके विपरीत लोगों का वर्गीकरण उनके जन्मस्थान के आधार पर किया जाता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Growth of Sufism

सूफ़ीमत का विकास

Group of religiousminded people called sufis turned to asceticism and mysticism in protest against the growing materialism of the Caliphate as a religious and political institution.

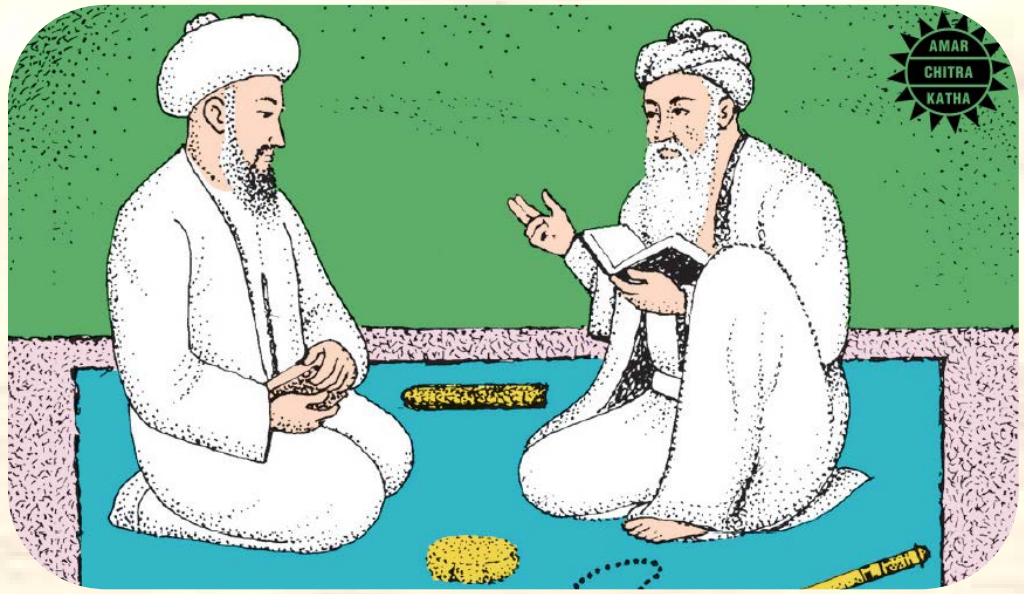

धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खिलाफ़त की बढ़ती विषयशक्ति के विरुद्ध कुछ आध्यात्मिक लोगों का रहस्यवाद और वैराग्य की ओर झुकाव बढ़ा, इन्हें सूफ़ी कहा जाने लगा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

They laid emphasis on seeking salvation through intense devotion and love for God by following His commands, and by following the example of the Prophet Muhammad whom they regarded as a perfect human being.

उन्होंने मुक्ति की प्राप्ति के लिए ईश्वर की भक्ति और उनके आदेशों के पालन पर बल दिया। उन्होंने पैगम्बर मोहम्मद को इंसान–ए–कामिल बताते हुए उनका अनुसरण करने की सीख दी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Sufism and tasawwuf

Sufism is an English word coined in the nineteenth century. The word used for Sufism in Islamic texts is tasawwuf.

सूफ़ीवाद और तसव्वुफ़

सूफ़ीवाद उन्नीसवीं शताब्दी में मुद्रित एक अंग्रेज़ी शब्द है। इस सूफ़ीवाद के लिए इस्लामी ग्रंथों में जिस शब्द का इस्तेमाल होता है वह है तसव्वुफ़।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Historians have understood this term in several ways. According to some scholars, it is derived from suf, meaning wool, referring to the coarse woollen clothes worn by sufis.

कुछ विद्वानों के अनुसार यह शब्द 'सूफ़' से निकलता है जिसका अर्थ ऊन है। यह उस खुरदुरे ऊनी कपड़े की ओर इशारा करता है जिसे सूफ़ी पहनते थे।

Others derive it from safa, meaning purity. It may also have been derived from suffa, the platform outside the Prophet's mosque, where a group of close followers assembled to learn about the faith.

अन्य विद्वान इस शब्द की व्युत्पत्ति 'सफ़ा' से मानते हैं जिसका अर्थ है साफ़। यह भी संभव है कि यह शब्द 'सफ़ा' से निकला हो जो पैगम्बर की मस्जिद के बाहर एक चबूतरा था जहाँ निकट अनुयायियों की मंडली धर्म के बारे में जानने के लिए इकट्ठी होती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Khanqahs and silsilas

ख़ानक़ाह और सिलसिला

Sufism evolved into a welldeveloped movement with a body of literature on Quranic studies and sufi practices.

सूफ़ीवाद एक पूर्ण विकसित आंदोलन था जिसका सूफ़ी और कुरान से जुड़ा अपना साहित्य था।

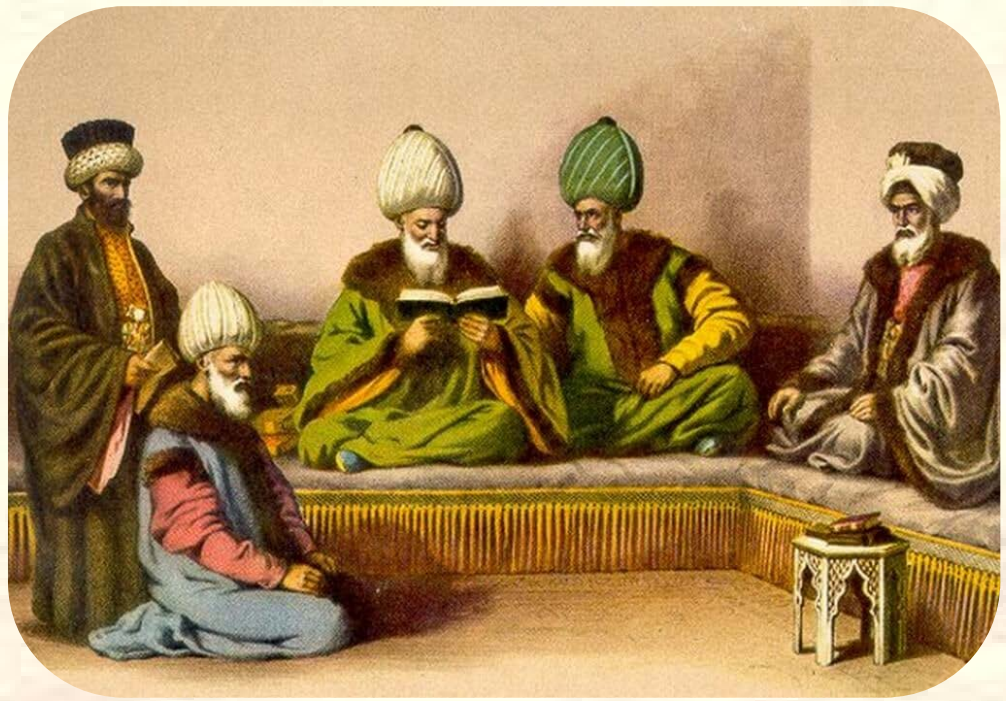

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- The sufis began to organise communities around the hospice or khanqah (Persian) controlled by a teaching master known as shaikh (in Arabic), pir or murshid (in Persian).

- सूफ़ी अपने को एक संगठित समुदाय–ख़ानक़ाह (फारसी) के इर्द–गिर्द स्थापित करते थे। ख़ानक़ाह का नियंत्रण शेख (अरबी), पीर अथवा मुर्शीद (फारसी) के हाथ में था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- He enrolled disciples (murids) and appointed a successor (khalifa).
- वे अनुयायियों (मुरीदों) की भरती करते थे और अपने वारिस (खलीफ़ा) की नियुक्ति करते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- He established rules for spiritual conduct and interaction between inmates as well as between laypersons and the master
- आध्यात्मिक व्यवहार के नियम निर्धारित करने के अलावा ख़ानक़ाह में रहने वालों के बीच के संबंध और शेख व जनसामान्य के बीच के रिश्तों की सीमा भी नियत करते थे।

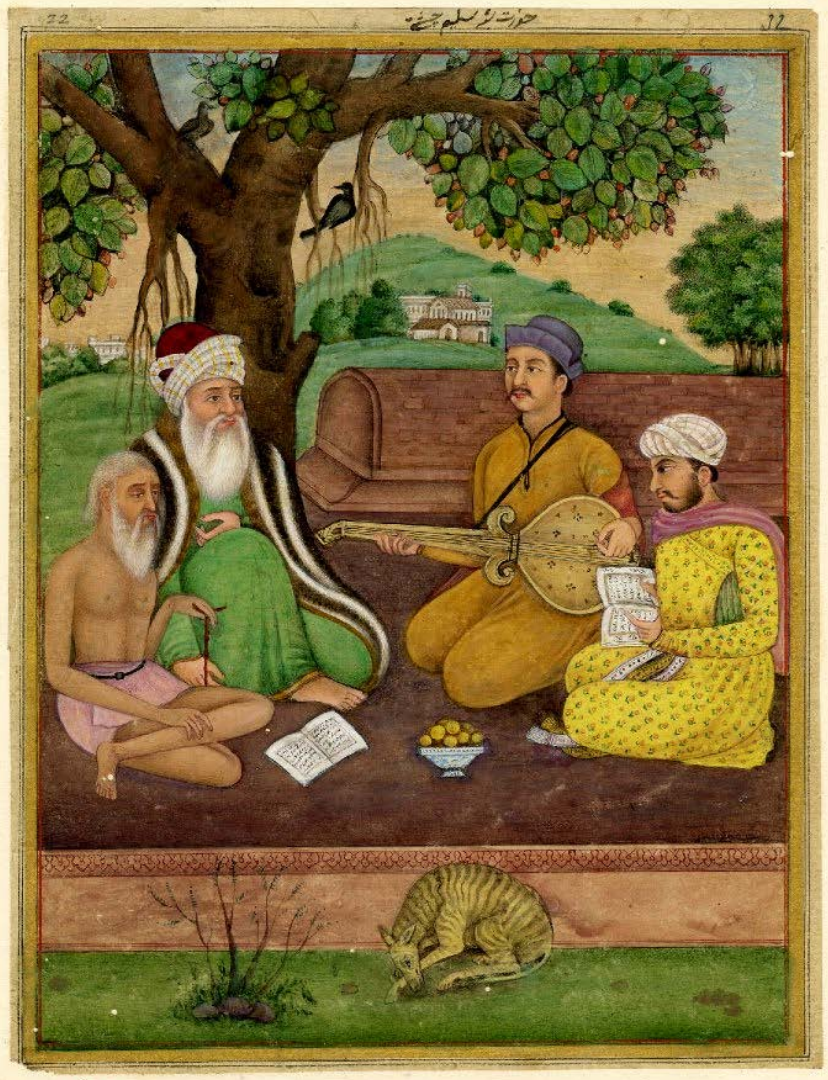

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Names of silsilas

Most sufi lineages were named after a founding figure. For example, the Qadiri order was named after Shaikh Abd'ul Qadir Jilani. However, some like the Chishti order, were named after their place of origin, in this case the town of Chisht in central Afghanistan.

सिलसिलों के नाम

ज़्यादातर सूफ़ी वंश उन्हें स्थापित करने वालों के नाम पर पड़े। उदाहरणत:, कादरी सिलसिला शेख अब्दुल कादिर जिलानी के नाम पर पड़ा। कुछ अन्य सिलसिलों का नामकरण उनके जन्मस्थान पर हुआ जैसे चिश्ती नाम मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर से लिया गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Silsila literally means a chain, signifying a continuous link between master and disciple

सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है जंज़ीर जो शेख और मुरीद के बीच एक निरंतर रिश्ते की द्योतक है।

Spiritual power and blessings were transmitted to devotees

आध्यात्मिक शक्ति और आशीर्वाद मुरीदों तक पहुँचता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shaikh died, his tomb-shrine (dargah, a Persian term meaning court) became the centre of devotion for his followers.

पीर की मृत्यु के बाद उसकी दरगाह (फारसी में इसका अर्थ दरबार) उसके मुरीदों के लिए भक्ति का स्थल बन जाती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

This encouraged the practice of pilgrimage or ziyarat to his grave, particularly on his death anniversary or urs (or marriage, signifying the union of his soul with God).

इस तरह पीर की दरगाह पर ज़ियारत के लिए जाने की, खासतौर से उनकी बरसी के अवसर पर, परिपाटी चल निकली। इस परिपाटी को उर्स (विवाह, मायने पीर की आत्मा का ईश्वर से मिलन) कहा जाता था

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

This was because people believed that in death saints were united with God, and were thus closer to Him than when living.

क्योंकि लोगों का मानना था कि मृत्यु के बाद पीर ईश्वर से एकीभूत हो जाते हैं और इस तरह पहले के बजाय उनके अधिक करीब हो जाते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

People sought their blessings to attain material and spiritual benefits. Thus evolved the cult of the shaikh revered as wali.

लोग आध्यात्मिक और ऐहिक कामनाओं की पूर्ति के लिए उनका आशीर्वाद लेने जाते थे। इस तरह शेख का वली के रूप में आदर करने की परिपाटी शुरू हुई।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Outside the khanqah

ख़ानक़ाह के बाहर

- Ignored rituals and observed extreme forms of asceticism.
- निर्धनता और ब्रह्मचर्य को उन्होंने गौरव प्रदान किया।

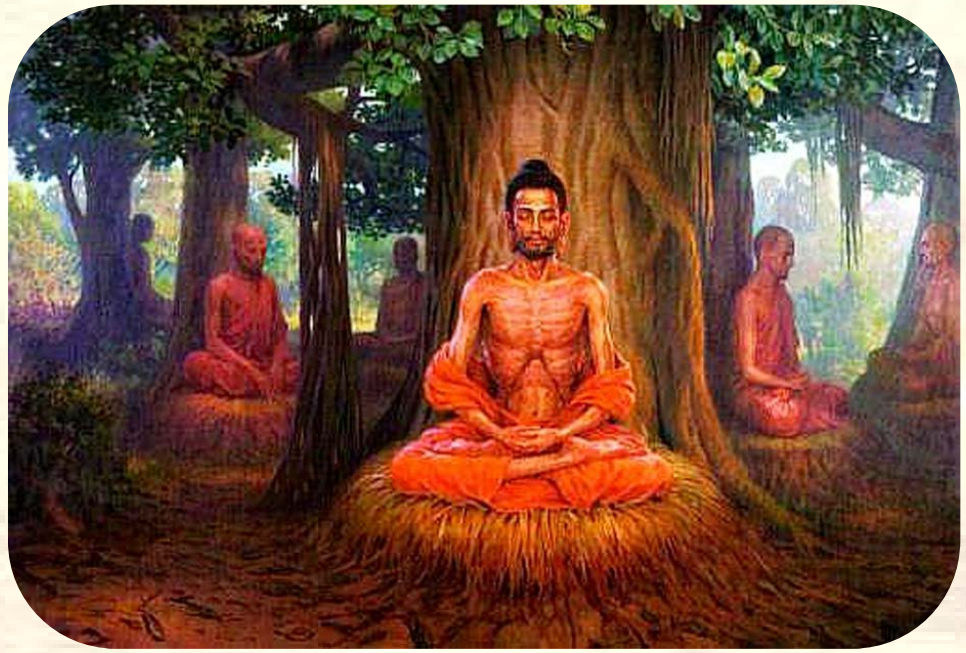

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- They were known by different names – Qalandars, Madaris, Malangs, Haidaris, etc. Because of their deliberate defiance of the shari‘a they were often referred to as be-shari‘a,
- इन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता था– कलंदर, मदारी, मलंग, हैदरी इत्यादि। शरिया की अवहेलना करने के कारण उन्हें बे–शरिया कहा जाता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Wali (plural auliya) or friend of God was a sufi who claimed proximity to Allah, acquiring His Grace (barakat) to perform miracles (karamat).

वली (बहुवचन औलिया) अर्थात ईश्वर का मित्र वह सूफी जो अल्लाह के नज़दीक होने का दावा करता था और उनसे मिली बरकत से करामात करने की शक्ति रखता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Chishtis in the Subcontinent

उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला

Sufis who migrated to India

भारत आने वाले सूफ़ी समुदायों

Chishtis were the most influential.

चिश्ती सबसे अधिक प्रभावशाली रहे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Because they adapted successfully to the local environment and adopted several features of Indian devotional traditions.

इसका कारण यह था कि उन्होंने न केवल अपने आपको स्थानीय परिवेश में अच्छी तरह ढाला अपितु भारतीय भक्ति परंपरा की कई विशिष्टताओं को भी अपनाया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Life in the Chishti khanqah

चिश्ती ख़ानक़ाह में जीवन

Khanqah was the centre of social life

ख़ानक़ाह सामाजिक जीवन का केंद्र बिंदु था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- big hall (jama'at khana) where the inmates and visitors lived and prayed.
- एक बड़ा हाल (जमातख़ाना) था जहाँ सहवासी और अतिथि रहते, और उपासना करते थे।

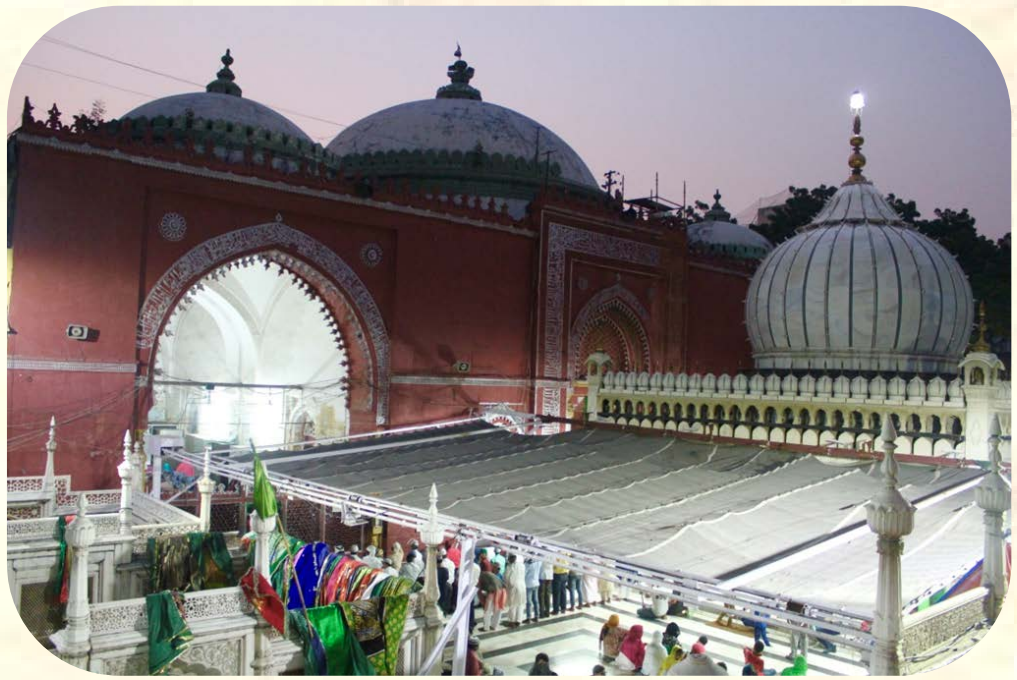

- The inmates included family members of the Shaikh, his attendants and disciples.
- सहवासियों में शेख का अपना परिवार, सेवक और अनुयायी थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- The Shaikh lived in a small room on the roof of the hall where he met visitors in the morning and evening.
- शेख एक छोटे कमरे में छत पर रहते थे जहाँ वह मेहमानों से सुबह–शाम मिला करते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

MAJOR TEACHERS OF THE CHISHTI SILSILA
चिश्ती सिलसिला के मुख्य उपदेशक

SUFI TEACHERS सूफी	YEAR OF DEATH मृत्यु का वर्ष	LOCATION OF DARGAH दरगाह का स्थान
Shaikh Muinuddin Sijzi शेख मुइनुद्दीन चिश्ती	**1235**	**Ajmer (Rajasthan)** अजमेर (राजस्थान)
Khwaja Qutbuddin Bakhtiyar Kaki ख़्वाजा कुतुबुद्दीन बख़्तियार काकी	**1235**	**Delhi** दिल्ली

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shaikh Fariduddin Ganj-i Shakar शेख फरीदुद्दीन गंज–ए–शकर	**1265**	**Ajodhan (Pakistan)** अजोधन (पाकिस्तान)
Shaikh Nizamuddin Auliya शेख निज़ामुद्दीन औलिया	**1325**	**Delhi** दिल्ली
Shaikh Nasiruddin Chiragh-i Dehli शेख नसीरुद्दीन चिराग–ए–देहली	**1356**	**Delhi** दिल्ली

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Open kitchen (langar), run on futuh (unasked-for charity).

एक सामुदायिक रसोई (लंगर) फुतूह (बिना माँगी खैर) पर चलती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- Shaikh Nizamuddin appointed several spiritual successors and deputed them to set up hospices in various parts of the subcontinent.

- शेख निज़ामुद्दीन ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में ख़ानक़ाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- As a result the teachings, practices and organisation of the Chishtis as well as the fame of the Shaikh spread rapidly.
- इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएँ तथा शेख का यश चारों ओर फैल गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The story of Data Ganj Bakhsh

In 1039 Abu'l Hasan al Hujwiri, a native of Hujwir near Ghazni in Afghanistan, was forced to cross the Indus as a captive of the invading Turkish army.

दाता गंज बख्श की कहानी

1039 ईसवी में अबुल हसन अल हुजविरी जो अफगानिस्तान के शहर गज़नी के निकट हुजविर के रहने वाले थे, उन्हें तुर्की सेना के एक कैदी के रूप में सिंधु नदी पार करनी पड़ी।

He settled in Lahore and wrote a book in Persian called the Kashful-Mahjub (Unveiling of the Veiled) to explain the meaning of tasawwuf, and those who practised it, that is, the sufi.

वह लाहौर में बस गए और फारसी में उन्होंने एक किताब लिखी कश्फ–उल–महजुब (परदे वाले की बेपर्दगी) जिसमें तसव्वुफ़ के मायने और इसका पालन करने वाले सूफ़ियों के बारे में बताया गया था।

Hujwiri died in 1073 and was buried in Lahore. The grandson of Sultan Mahmud of Ghazni constructed a tomb over his grave, and this tomb-shrine became a site of pilgrimage for his devotees, especially on his death anniversary

हुजविरी की 1073 में मृत्यु हो गई और उन्हें लाहौर में दफ़नाया गया। सुल्तान महमूद गज़नी के पोते ने उनकी मज़ार पर दरगाह बनवाई। यह दरगाह उनकी बरसी के अवसर पर उनके अनुयायियों के लिए तीर्थ स्थल बन गई।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Even today Hujwiri is revered as Data Ganj Bakhsh or "Giver who bestows treasures" and his mausoleum is called Data Darbar or "Court of the Giver".

आज भी हुजविरी दाता गंज बख्श के रूप में आदरणीय हैं और उनकी दरगाह को दाता दरबार यानी देने वाले की दरगाह कहा जाता है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Chishti devotionalism: ziyarat and qawwali

चिश्ती उपासना : ज़ियारत और कव्वाली

Pilgrimage, called ziyarat, to tombs of sufi saints is prevalent all over the Muslim world. This practice is an occasion for seeking the sufi's spiritual grace (barakat).

सूफ़ी संतों की दरगाह पर की गई ज़ियारत सारे इस्लामी संसार में प्रचलित है। इस अवसर पर संत के आध्यात्मिक आशीर्वाद यानी बरकत की कामना की जाती है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Khwaja Muinuddin, popularly known as "Gharib Nawaz"

ख़्वाजा मुइनुद्दीन है जिन्हें 'ग़रीब नवाज़' कहा जाता है।

Shrine was located on the trade route linking Delhi and Gujarat, it attracted a lot of travellers.

दरगाह दिल्ली और गुजरात को जोड़ने वाले व्यापारिक मार्ग पर थी अतः अनेक यात्री यहाँ आते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shrine had become very popular; in fact it was the spirited singing of pilgrims bound for Ajmer that inspired Akbar to visit the tomb.

अजमेर की यह दरगाह बहुत ही लोकप्रिय हो गई थी। इस दरगाह को जानने वाले तीर्थयात्रियों के भजनों ने ही अकबर को यहाँ आने के लिए प्रेरित किया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The pilgrimage of the Mughal princess Jahanara, 1643

The following is an excerpt from Jahanara's biography of Shaikh Muinuddin Chishti, titled Munis al Arwah (The Confidant of Spirits):

मुगल शहज़ादी जहाँआरा की तीर्थयात्रा 1643

निम्नलिखित गद्यांश जहाँआरा द्वारा रचित शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी मुनिस–अल–अखाह (यानी आत्मा का विश्वस्त) से लिया गया है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

After praising the one God ... this lowly faqira (humble soul) Jahanara ... went from the capital Agra in the company of my great father (Emperor Shah Jahan) towards the pure region of incomparable Ajmer ... I was committed to this idea, that every day in every station I would perform two cycles of optional prayer ...

अल्लाहताला की तारीफ़ के बाद.... यह फकीरा जहाँआरा. .. राजधानी आगरा से अपने पिता (बादशाह शाहजहाँ) के संग पाक और बेजोड़ अजमेर के लिए निकली.... मैं इस बात के लिए वायदापरस्त थी कि हर रोज़ और हर मुकाम पर मैं दो बार की अख़्तियारी नमाज़ अदा करूँगी...

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

For several days ... I did not sleep on a leopard skin at night, I did not extend my feet in the direction of the blessed sanctuary of the revered saving master, and I did not turn my back towards him. I passed the days beneath the trees.

बहुत दिन... मैं रात को बाघ के चमड़े पर नहीं सोई और अपने पैर मुकद्दस दरगाह की तरफ नहीं फैलाए, न ही मैंने अपनी पीठ उनकी तरफ की। मैं पेड़ के नीचे दिन गुज़ारती थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

On Thursday, the fourth of the blessed month of Ramzan, I attained the happiness of pilgrimage to the illuminated and the perfumed tomb ... With an hour of daylight remaining, I went to the holy sanctuary and rubbed my pale face with the dust of that threshold.

वीरवार को रमज़ान के मुकद्दस महीने के चौथे रोज़ मुझे चिराग और इतर में डूबे दरगाह की ज़ियारत की खुशी हासिल हुई... चूँकि दिन की रोशनी की एक छड़ी बाकी थी मैं दरगाह के भीतर गई और अपने जर्द चेहरे को उसकी चौखट की धूल से रगड़ा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

From the doorway to the blessed tomb I went barefoot, kissing the ground. Having entered the dome, I went around the light-filled tomb of my master seven times ...

दरवाज़े से मुकद्दस दरगाह तक मैं नंगे पाँव वहाँ की ज़मीन को चूमती हुई गई। गुम्बद के भीतर रोशनी से भरी दरगाह में मैंने मज़ार के चारों ओर सात फेरे लिए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Finally, with my own hand I put the finest quality of itar on the perfumed tomb of the revered one, and having taken off the rose scarf that I had on my head, I placed it on the top of the blessed tomb ...

आख़िर में अपने हाथों से मुकद्दस दरगाह पर मैंने सबसे उम्दा इतर छिड़का। चूँकि गुलाबी दुपट्टा जो मेरे सिर पर था, मैं उतार चुकी थी इसलिए उसे मैंने मुकद्दस मज़ार के ऊपर रखा।...

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The lamp of the entire land

Each sufi shrine was associated with distinctive features. This is what an eighteenth-century visitor from the Deccan, Dargah Quli Khan, wrote about the shrine of Nasiruddin Chiragh-i Dehli in his Muraqqa-i Dehli (Album of Delhi):

मुल्क का चिराग

प्रत्येक सूफी दरगाह के कुछ विशिष्ट लक्षण होते थे। अठारहवीं शताब्दी में दक्कन के दरगाह कुली खान ने शेख नसीरुद्दीन चिराग–ए–देहली की दरगाह के बारे में मुरक्का–ए–देहली (दिल्ली की अलबम) में लिखा कि–

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Shaikh (in the grave) is not the lamp of Delhi but of the entire country. People turn up there in crowds, particularly on Sunday. In the month of Diwali the entire population of Delhi visits it and stays in tents around the spring tank for days.

शेख सिर्फ देहली के ही चिराग नहीं अपितु सारे मुल्क के चिराग हैं। लोगों का हुजूम यहाँ आता है खासतौर से इतवार के रोज़। दीवाली के महीने में दिल्ली की सारी आबादी दरगाह पर उमड़ आती है और हौज़ के पास तम्बू गाड़ कर वे कई दिनों तक यहाँ रहते हैं

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

They take baths to obtain cures from chronic diseases. Muslims and Hindus pay visits in the same spirit. From morning till evening people come and also make themselves busy in merrymaking in the shade of the trees.

पुराने रोगों को ठीक करने के लिए वे यहाँ नहाते हैं। हिंदू और मुसलमान एक ही भावना से आते हैं। सुबह से शाम तक लोग आते हैं और पेड़ की छाँव में हँसी–खुशी में समय बिताते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Part of ziyarat is the use of music and dance including mystical chants performed by specially trained musicians or qawwals to evoke divine ecstasy.

नाच और संगीत भी ज़ियारत का हिस्सा थे, खासतौर से कव्वालों द्वारा प्रस्तुत रहस्यवादी गुणगान जिससे परमानंद की भावना को उभारा जा सके।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

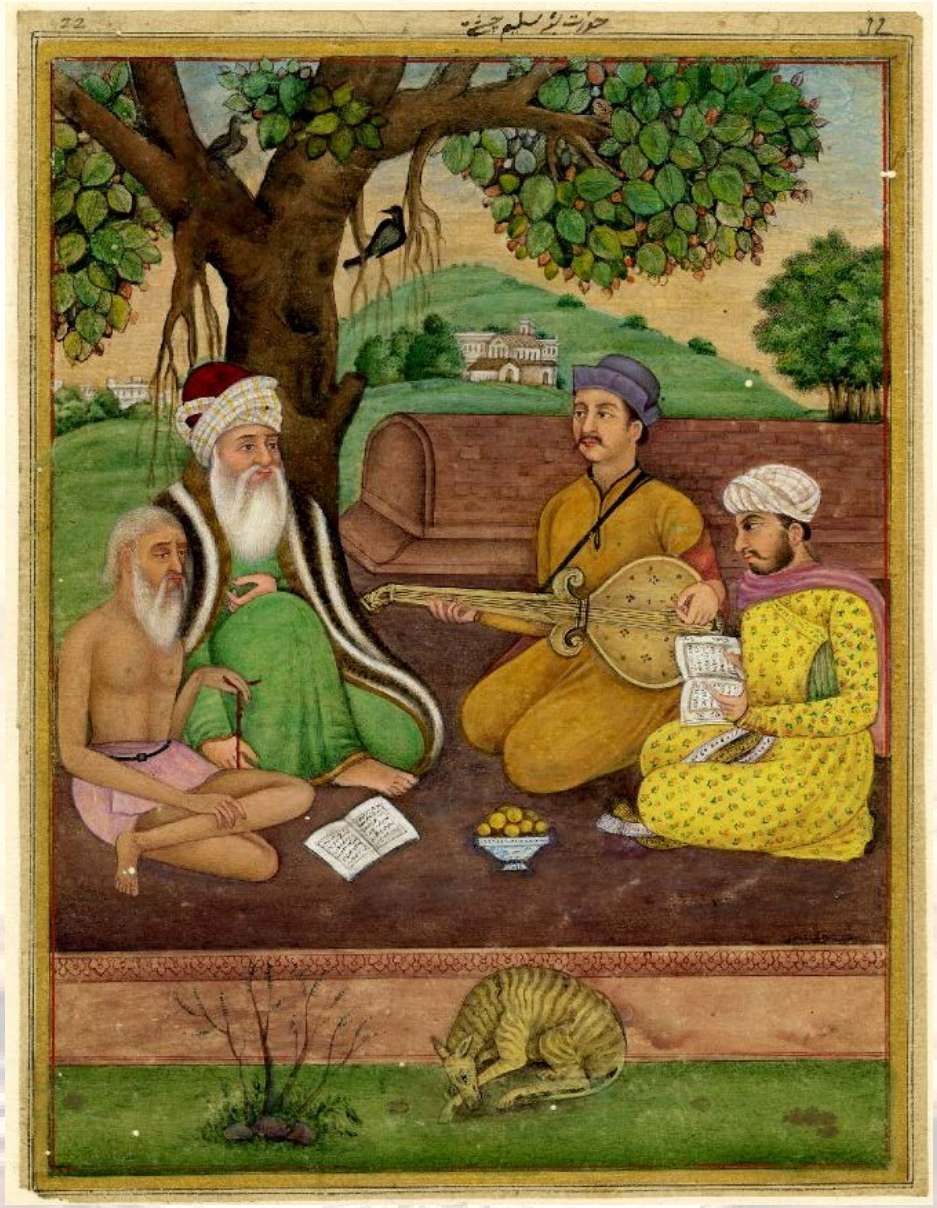

- The sufis remember God either by reciting the zikr (the Divine Names) or evoking His Presence through sama‘ (literally, “audition”) or performance of mystical music.

- सूफ़ी संत ज़िक्र (ईश्वर का नाम–जाप) या फिर समा (श्रवण करना) यानी आध्यात्मिक संगीत की महफिल के द्वारा ईश्वर की उपासना में विश्वास रखते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- **Sama‘ was integral to the Chishtis, and exemplified interaction with indigenous devotional traditions.**
- **चिश्ती उपासना पद्धति में सभा का महत्त्व इस तथ्य की पुष्टि करता है कि चिश्ती स्थानीय भक्ति परंपरा से जुड़ें।**

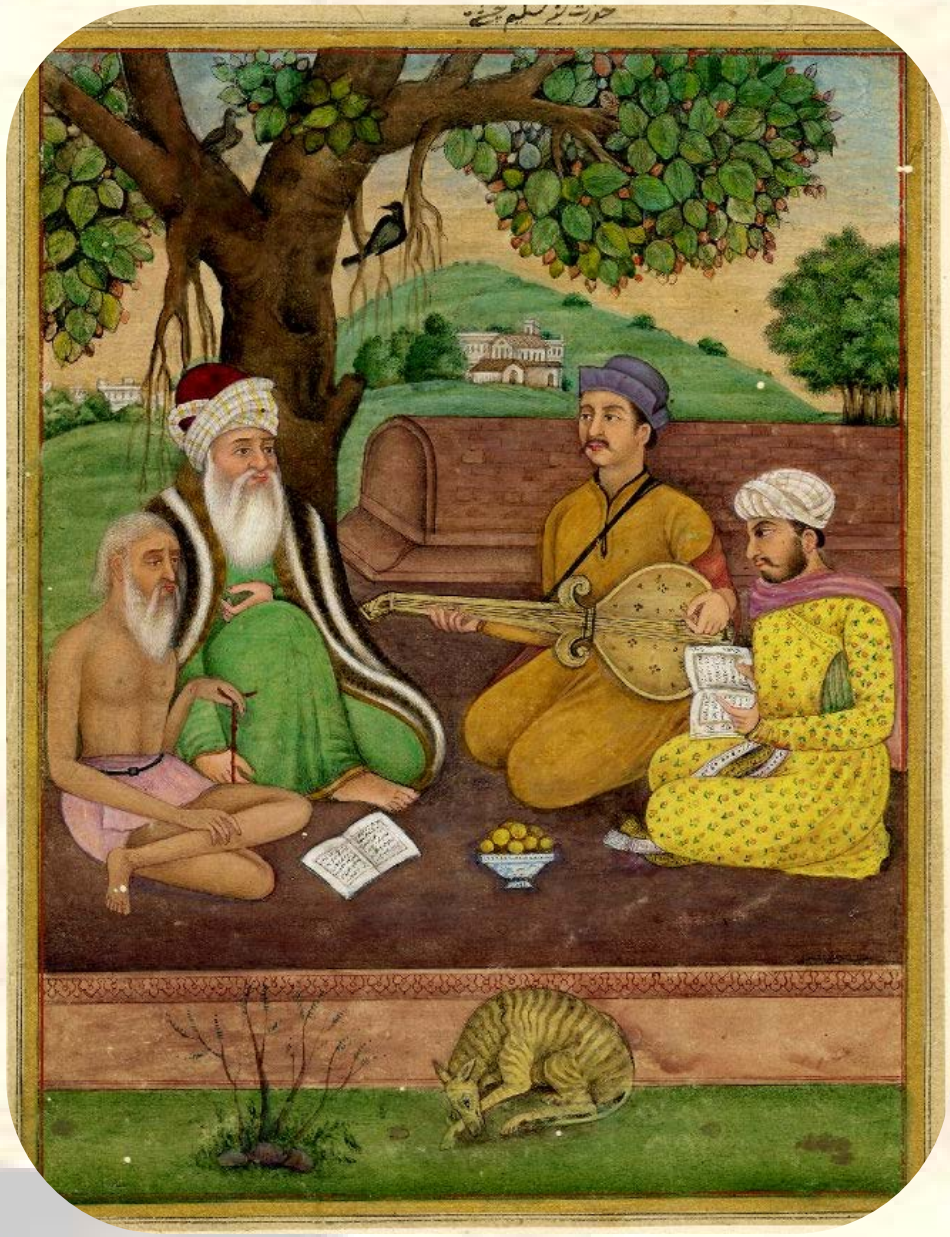

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Amir Khusrau and the qaul

Amir Khusrau (1253-1325), the great poet, musician and disciple of Shaikh Nizamuddin Auliya, gave a unique form to the Chishti sama‘ by introducing the qaul (Arabic word meaning “saying”), a hymn sung at the opening or closing of qawwali.

अमीर खुसरो और कौल

अमीर खुसरो (1253–1325) महान कवि, संगीतज्ञ तथा शेख निज़ामुद्दीन औलिया के अनुयायी थे। उन्होंने कौल (अरबी शब्द जिसका अर्थ है कहावत) का प्रचलन करके चिश्ती समा को एक विशिष्ट आकार दिया। कौल को कव्वाली के शुरू और आखिर में गाया जाता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

This was followed by sufi poetry in Persian, Hindavi or Urdu, and sometimes using words from all of these languages. Qawwals (those who sing these songs) at the shrine of Shaikh Nizamuddin Auliya always start their recital with the qaul. Today qawwali is performed in shrines all over the subcontinent.

इसके बाद सूफी कविता का पाठ होता था जो फारसी, हिंदवी अथवा उर्दू में होती थी और कभी–कभी इन तीनों ही भाषाओं के शब्द इसमें मौजूद होते थे। शेख निज़ामुद्दीन औलिया की दरगाह पर गाने वाले कव्वाल अपने गायन की शुरुआत कौल से करते हैं। उपमहाद्वीप की सभी दरगाहों पर कव्वाली गाई जाती है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Languages and communication

भाषा और संपर्क

In Delhi,

दिल्ली में

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Chishti silsila conversed in Hindavi, the language of the people.

चिश्ती सिलसिले के लोग हिंदवी में बातचीत करते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

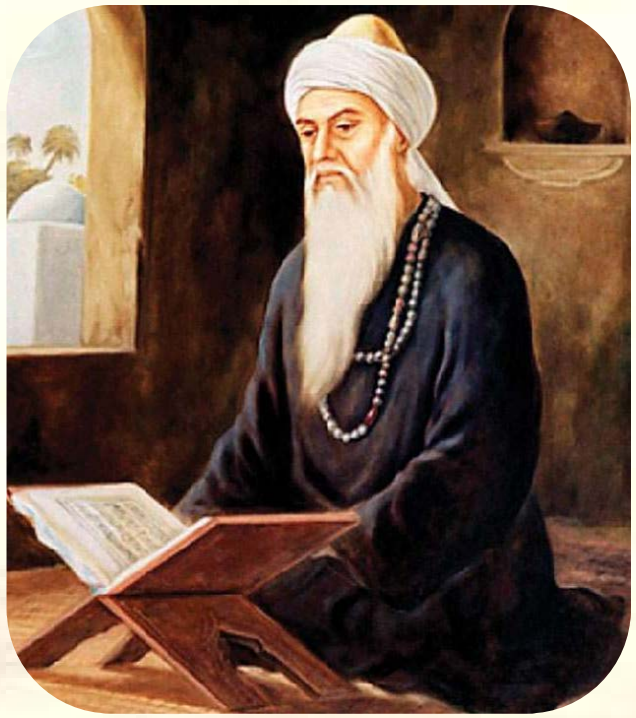

Baba Farid composed verses in the local language, which were incorporated in the Guru Granth Sahib.

बाबा फरीद ने भी क्षेत्रीय भाषा में काव्य रचना की जो गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित है।

Composed long poems or masnavis to express ideas of divine love using human love as an allegory.

सूफियों ने लंबी कविताएँ मसनवी लिखीं जहाँ ईश्वर के प्रति प्रेम को मानवीय प्रेम के रूपक के द्वारा अभिव्यक्त किया गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Sufi poetry was composed in town of Bijapur, Karnataka. These were short poems in Dakhani (a variant of Urdu) attributed to Chishti sufis who lived in this region

सूफी कविता की एक भिन्न विधा की रचना बीजापुर कर्नाटक के आसपास हुई। यह दक्खनी (उर्दू का रूप) में लिखी छोटी कविताएँ थी जो इस क्षेत्र में बसने वाले चिश्ती संतों द्वारा रची गई थीं।

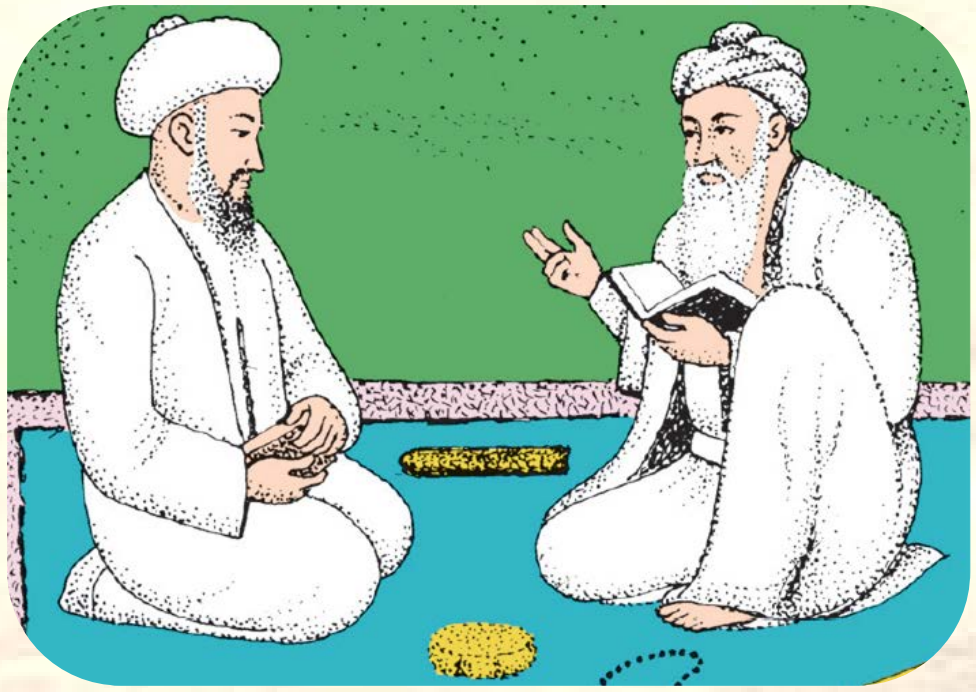

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

These poems were probably sung by women while performing household chores like grinding grain and spinning.

ये रचनाएँ संभवत: औरतों द्वारा घर का काम जैसे चक्की पीसते और चरखा कातते हुए गाई जाती थीं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Charkhanama

A song set to the rhythm of the spinning wheel:

As you take the cotton, you do zikr-i jali

चरखानामा

यह गीत चरखे के चलने की धुन पर आधारित है :

जैसे आप रुई लेते हैं,

आप ज़िक्र–ए–जाली करें।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

As you separate the cotton you should do zikr-i qalbi

And as you spool the thread you should do zikr-i aini

Zikr should be uttered from the stomach through the chest,

जैसे आप रुई को धुनते हैं,

आप ज़िक्र–ए–कल्बी करें।

जैसे आप धागे को फिरकी पर लपेटते हैं,

आप ज़िक्र–ए–आइनी करें।

ज़िक्र पेट से छाती तक उच्चारित किया जाए।

And threaded through the throat.

The threads of breath should be counted one by one, oh sister.

Up to twenty four thousand.

Do this day and night,

And offer this to your pir as a gift.

उसे धागे की तरह गले से उतारें

स्वास के धागे एक–एक गिनें, बहन

चौबीस हज़ार तक गिनें

सुबह–शाम ऐसा करें

और इसे तोहफे में अपने पीर को पेश करें।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Sufis and the state

सूफी और राज्य

Feature of the Chishti tradition was austerity, including maintaining a distance from worldly power.

चिश्ती संप्रदाय की एक और विशेषता संयम और सादगी का जीवन था जिसमें सत्ता से दूर रहने पर बल दिया जाता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The sufis accepted unsolicited grants and donations from the political elites.

सत्ताधारी विशिष्ट वर्ग अगर बिना माँगे अनुदान या भेंट देता था तो सूफी संत उसे स्वीकार करते थे।

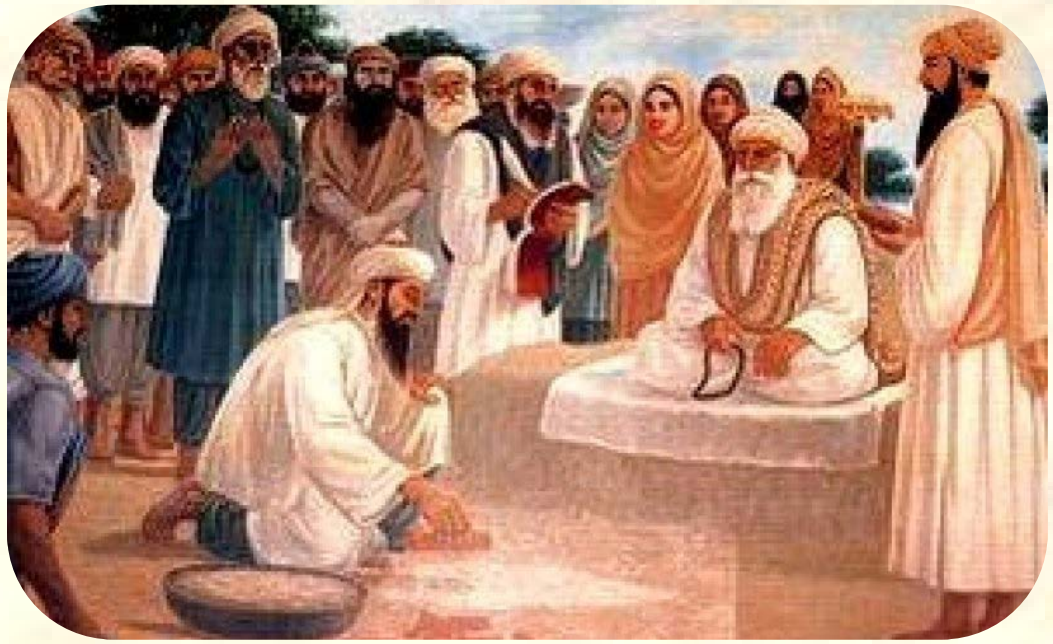

Sultans in turn set up charitable trusts (auqaf) as endowments for hospices and granted tax-free land (inam).

सुल्तानों ने ख़ानक़ाहों को कर मुक्त (इनाम) भूमि अनुदान में दी और दान संबंधी न्यास स्थापित किए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Chishtis accepted donations in cash and kind. Rather than accumulate donations, they preferred to use these fully on immediate requirements such as food, clothes, living quarters and ritual necessities (such as sama').

चिश्ती धन और सामान के रूप में दान स्वीकार करते थे किंतु इनको सँजोने के बजाय खाने, कपड़े, रहने की व्यवस्था और अनुष्ठानों जैसे समा की महफिलों पर पूरी तरह खर्च कर देते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Believed that the auliya could intercede with God in order to improve the material and spiritual conditions of ordinary human beings.

माना जाता था कि औलिया मध्यस्थ के रूप में ईश्वर से लोगों की ऐहिक और आध्यात्मिक दशा में सुधार लाने का कार्य करते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

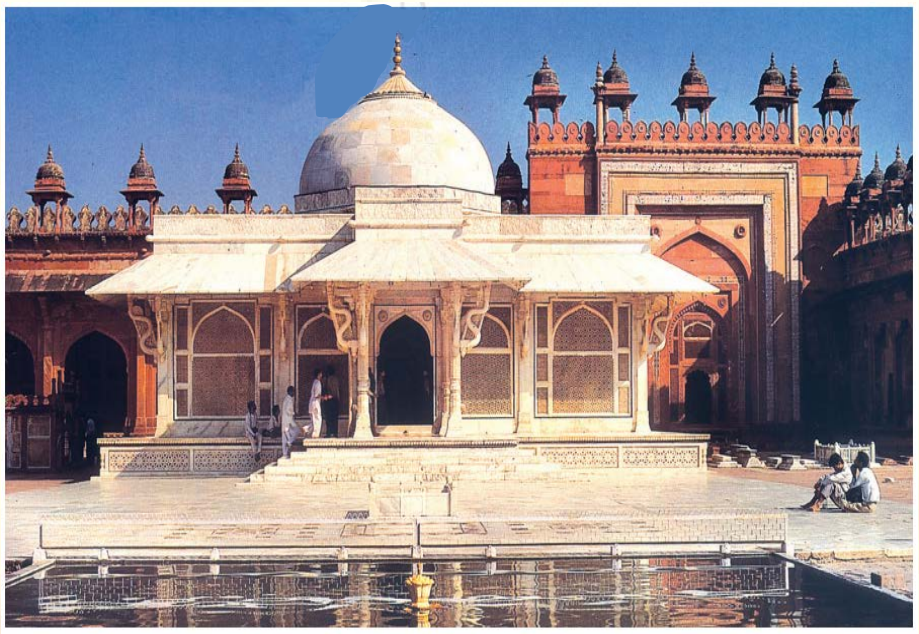

The dargah *of Shaikh Salim Chishti (a direct descendant of Baba Farid) constructed in Fatehpur Sikri, Akbar's capital, symbolised the bond between the Chishtis and the Mughal state.*

This explains why kings often wanted their tombs to be in the vicinity of sufi shrines and hospices.

शायद इसलिए शासक अपनी कब्र सूफ़ी दरगाहों और ख़ानक़ाहों के नज़दीक बनाना चाहते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Conflict between the Sultans and the sufis.

सुल्तानों और सूफ़ियों के बीच तनाव भी मौजूद हैं।

Shaikhs greeting the Mughal emperor Jahangir on his pilgrimage to Ajmer, painting by an artist named Manohar, c. 1615

To assert their authority, both expected that certain rituals be performed such as prostration and kissing of the feet.

अपनी सत्ता का दावा करने के लिए दोनों ही कुछ आचारों पर बल देते थे जैसे झुक कर प्रणाम और कदम चूमना।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Sufis and the state

Other sufis such as the Suhrawardi under the Delhi Sultans and the Naqshbandi under the Mughals were also associated with the state. However, the modes of their association were not the same as those of the Chishtis. In some cases, sufis accepted courtly offices.

सूफ़ी और राज्य

कुछ अन्य सूफ़ी भी, जैसे कि दिल्ली सल्तनत के युग में सुहरावर्दी और मुग़लयुगीन नक्शबंदी, राज्य से जुड़े रहे। लेकिन उनके जुड़ाव के तरीके चिश्तियों से भिन्न थे। कभी–कभी सूफ़ी दरबारी पद भी स्वीकार कर लेते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Declining a royal gift

This excerpt from a sufi text describes the proceedings at Shaikh Nizamuddin Auliya's hospice in 1313:

I (the author, Amir Hasan Sijzi) had the good fortune of kissing his (Shaikh Nizamuddin Auliya's) feet ...

शाही भेंट अस्वीकार

यह उद्धरण सूफ़ी ग्रंथ से है जो शेख निज़ामुद्दीन औलिया की ख़ानक़ाह में 1313 में हुई घटना का वर्णन करता है :

मेरी (अमीर हसन सिजज़ी) अच्छी किस्मत थी कि मैं उनके (निज़ामुद्दीन औलिया) कदम चूम सका...

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

At this time a local ruler had sent him the deed of ownership to two gardens and much land, along with the provisions and tools for their maintenance.

इस समय एक स्थानीय शासक ने दो बगीचे और बहुत सी ज़मीन का पट्टा शेख साहब को भेजा है। साथ ही इनके रखरखाव के लिए औज़ार व आवश्यक वस्तुएँ भेजी हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The ruler had also made it clear that he was relinquishing all his rights to both the gardens and land. The master ... had not accepted that gift. Instead, he had lamented: "What have I to do with gardens and fields and lands? ... None of ... our spiritual masters had engaged in such activity."

शासक ने यह भी साफ किया है कि वह बगीचों और ज़मीन पर अपना हक कहते हैं: "इस ज़मीन, खेत और बगीचे का मुझे क्या करना है?... हमारे कोई भी आध्यात्मिक गुरु ने इस तरह का काम नहीं किया।"

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Then he told an appropriate story: "... Sultan Ghiyasuddin, who at that time was still known as Ulugh Khan, came to visit Shaikh Fariduddin (and) offered some money and ownership deeds for four villages to the Shaikh, the money being for the benefit of the dervishes (sufis), and the land for his use.

फिर उन्होंने एक उचित कहानी सुनाई "...सुल्तान ग़ियासुद्दीन जो उस समय उलुग़ ख़ान के नाम से जाने जाते थे, शेख फ़रीदुद्दीन से मिलने आए। उन्होंने शेख को कुछ धनराशि और चार गाँवों का पटा भेंट किया। धन दरवेशों के लिए था और ज़मीन शेख के अपने इस्तेमाल के लिए थी।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Smiling, Shaikh al Islam (Fariduddin) said: 'Give me the money. I will dispense it to the dervishes. But as for those land deeds, keep them. There are many who long for them. Give them away to such persons.'"

मुस्कुराते हुए शेख–अल–इस्लाम (फ़रीदुद्दीन) ने कहा: मुझे धन दे दो मैं इसे दरवेशों में बाँट दूँगा, पर जहाँ तक ज़मीन के पटे का सवाल है उसे उन लोगों को दे दो जिन्हें उनकी कामना है....।"

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

New Devotional Paths
(Dialogue and Dissent in Northern India)
नवीन भक्ति पंथ
(उत्तरी भारत में संवाद और असहमति)

Weaving a divine fabric: Kabir
दैवीय वस्त्र की बुनाई : कबीर

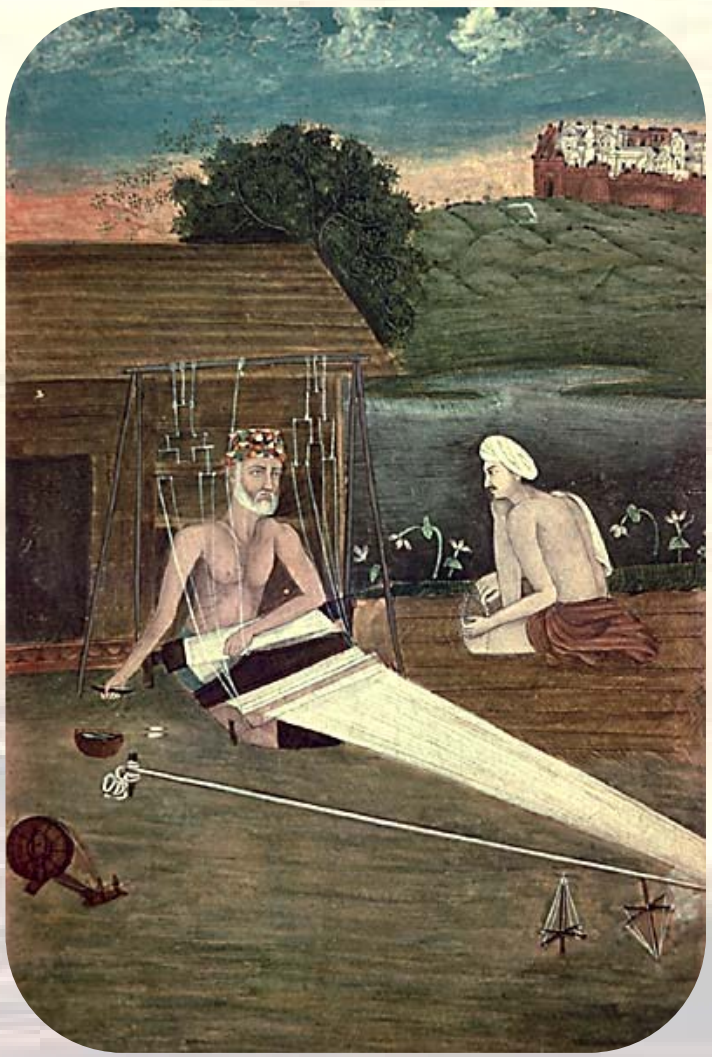

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

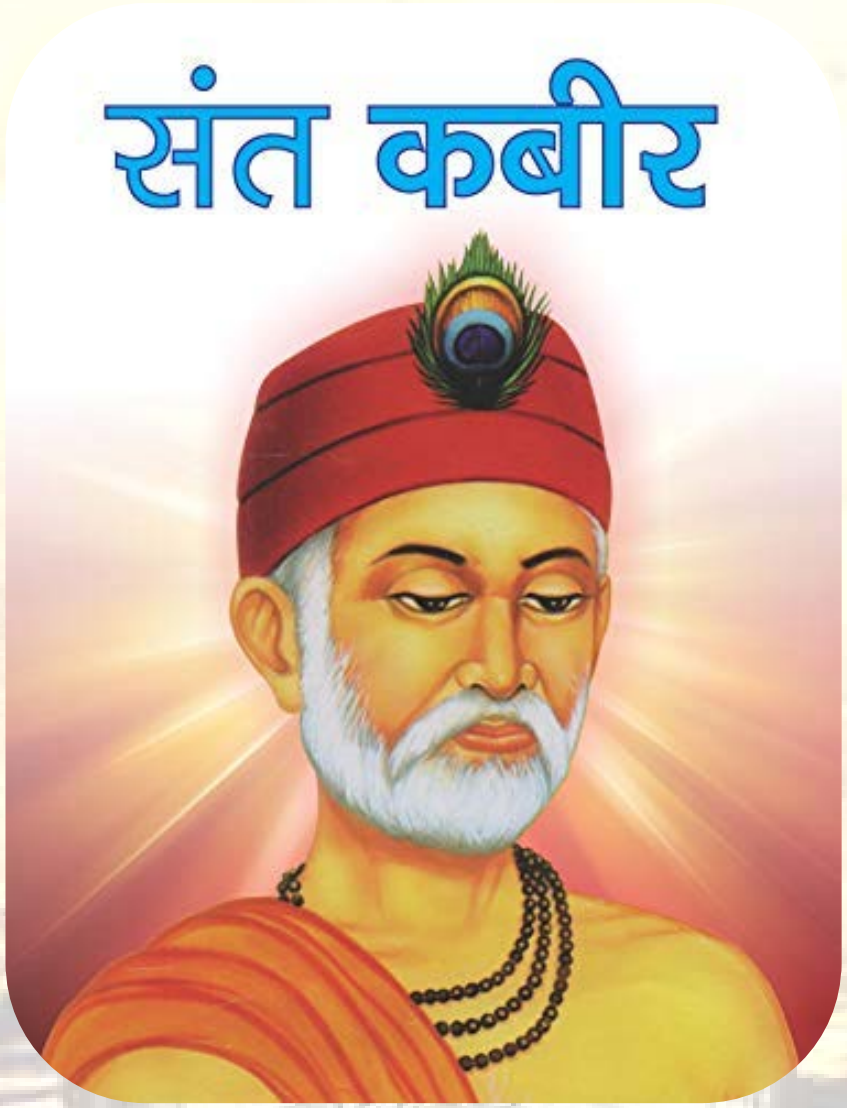

Most outstanding examples of a poet-saint

इस पृष्ठभूमि में उभरने वाले संत कवियों में अप्रतिम थे

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The Kabir Bijak is preserved by the Kabirpanth

कबीर बीजक कबीर पंथियों द्वारा संरक्षित है।

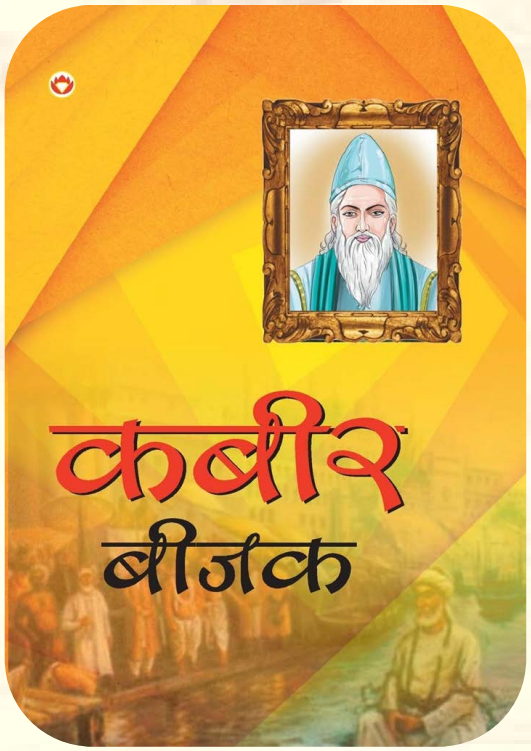

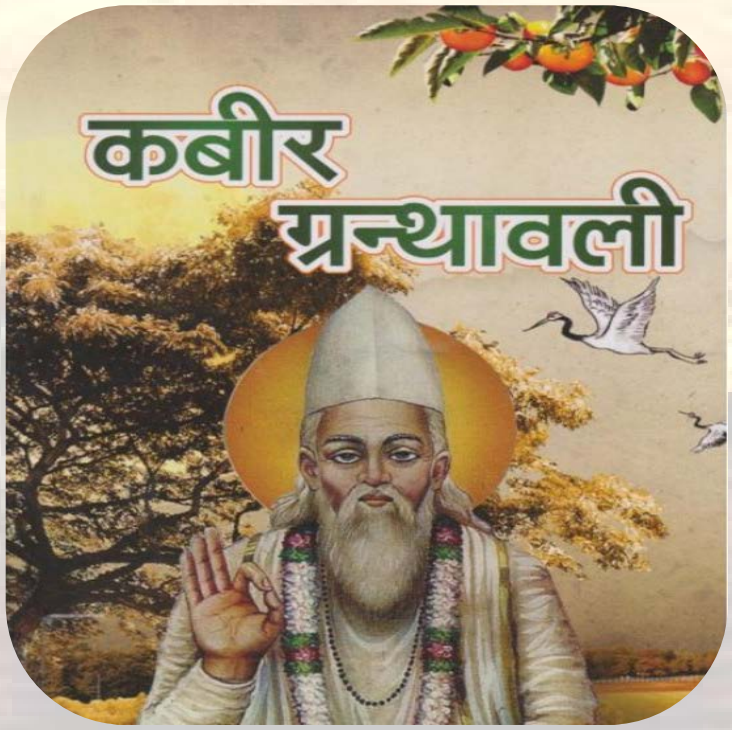

Kabir Granthavali is associated with the Dadupanth in Rajasthan,

कबीर ग्रंथावली का संबंध राजस्थान के दादू पंथियों से है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Adi Granth Sahib

आदि ग्रंथ साहिब

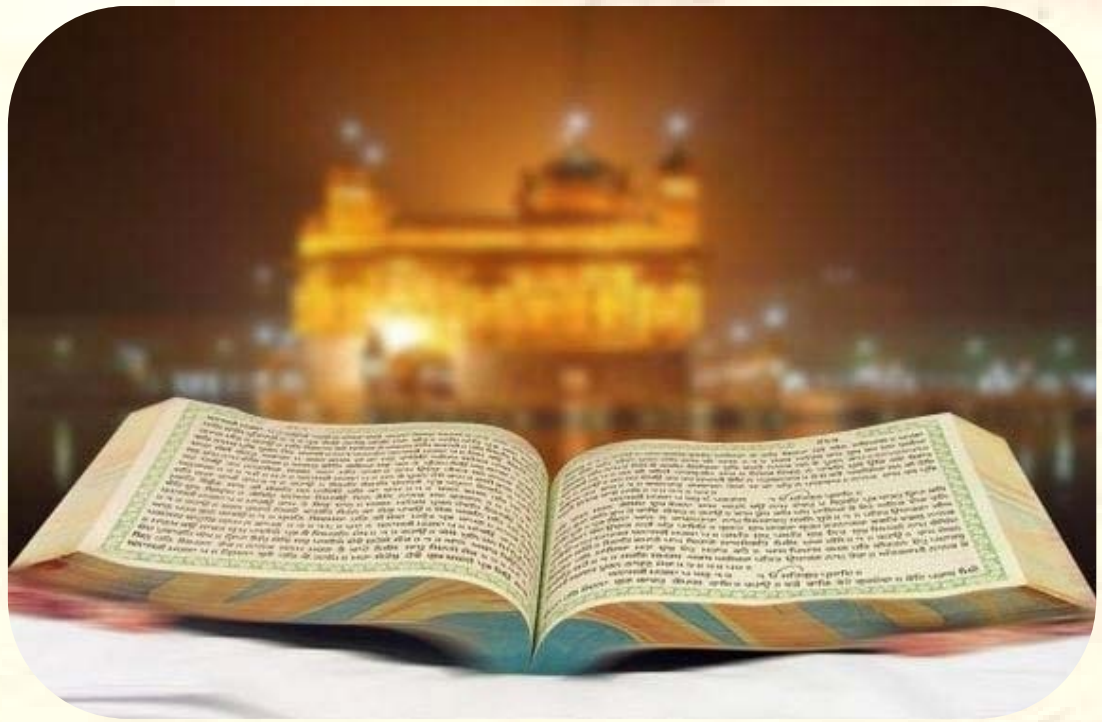

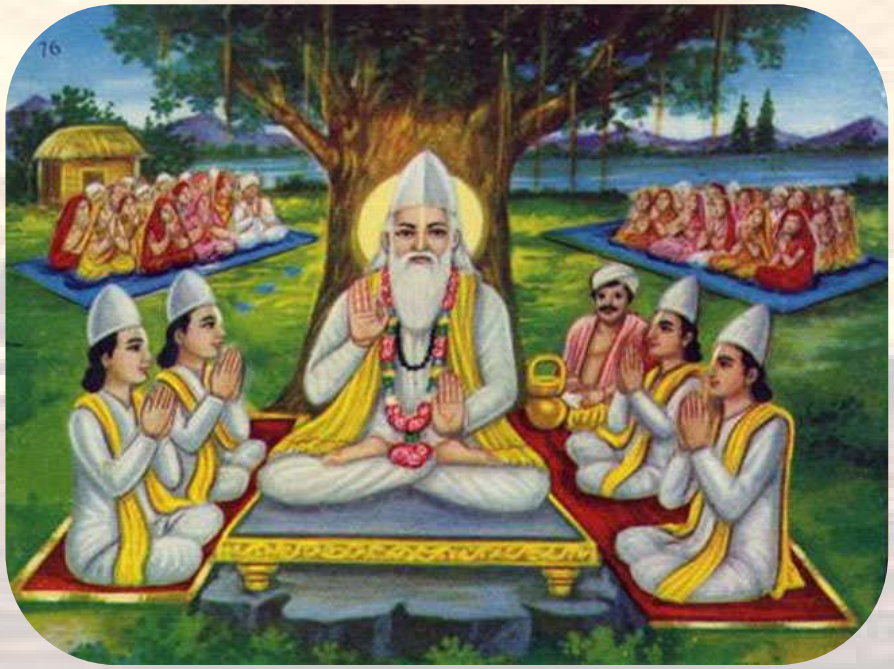

All these manuscript compilations were made long after the death of Kabir

लगभग सभी पांडुलिपि संकलन कबीर की मृत्यु के बहुत बाद में किए गए।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

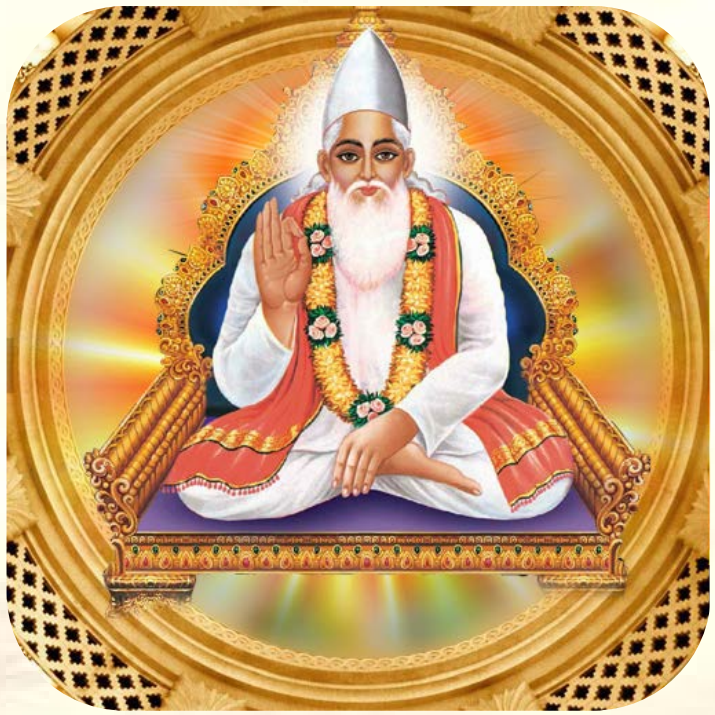

Kabir drew on to describe the Ultimate Reality.

उन्होंने परम सत्य को वर्णित करने के लिए अनेक परिपाटियों का सहारा लिया।

These include Islam: he described the Ultimate Reality as Allah, Khuda, Hazrat and Pir.

इस्लामी दर्शन की तरह वे इस सत्य को अल्लाह, खुदा, हज़रत और पीर कहते हैं।

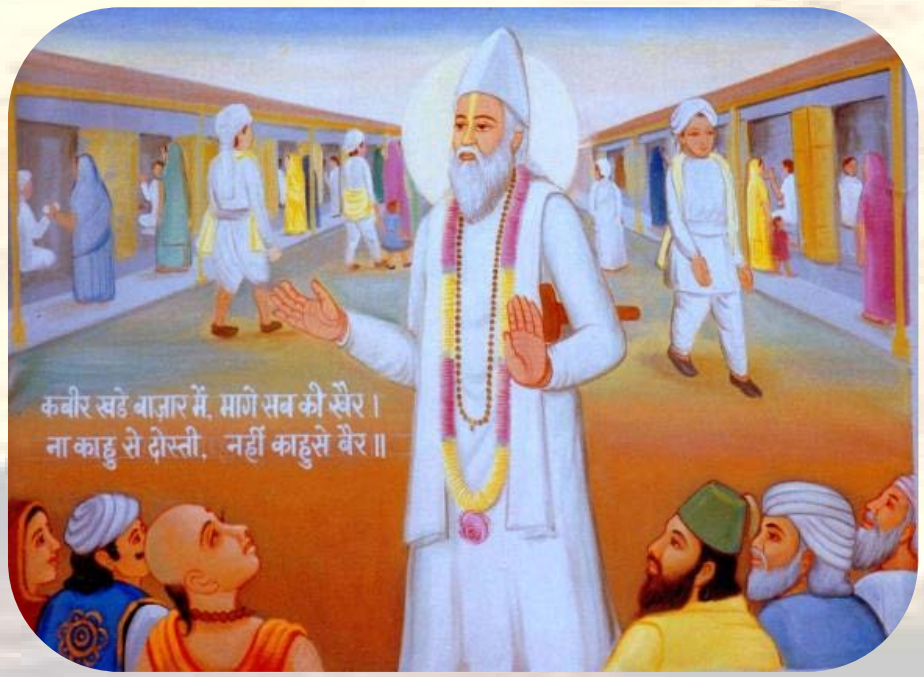

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

He also used terms drawn from Vedantic traditions, alakh (the unseen), nirakar (formless), Brahman, Atman, etc.

वेदांत दर्शन से प्रभावित वे सत्य को अलख (अदृश्य), निराकार, ब्रह्मन् और आत्मन् कह कर भी संबोधित करते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Some poems draw on Islamic ideas and use monotheism and iconoclasm to attack Hindu polytheism and idol worship;

कुछ कविताएँ इस्लामी दर्शन के एकेश्वरवाद और मूर्तिभंजन का समर्थन करते हुए हिंदू धर्म के बहुदेववाद और मूर्तिपूजा का खंडन करती हैं।

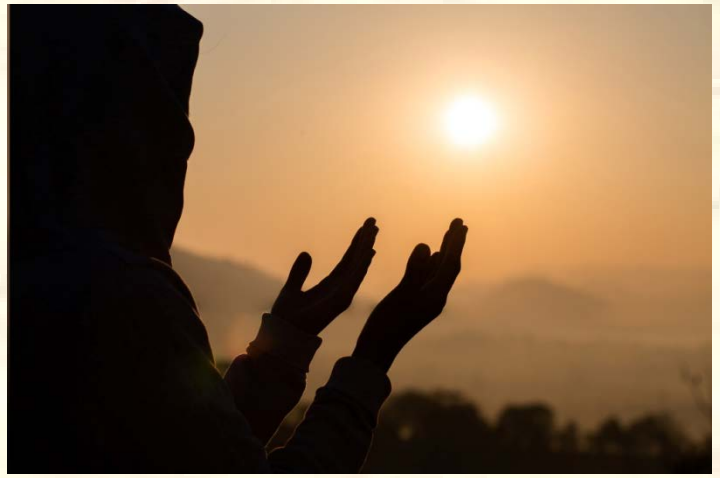

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

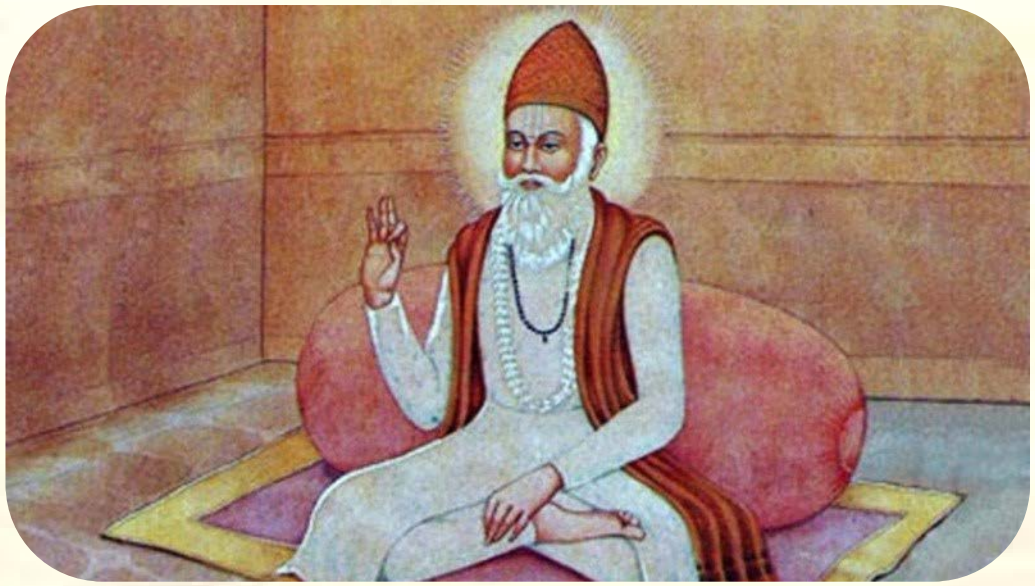

Were all these composed by Kabir? We may never be able to tell with certainty,

क्या ये सभी कविताएँ कबीर द्वारा रची गईं? यह कहना मुश्किल है।

Kabir's ideas probably crystallised through dialogue and debate (explicit or implicit) with the traditions of sufis and yogis

कबीर के विचार संभवत: सूफी और योगी परंपरा के साथ हुए संवाद और विवाद के माध्यम से घनीभूत हुए।

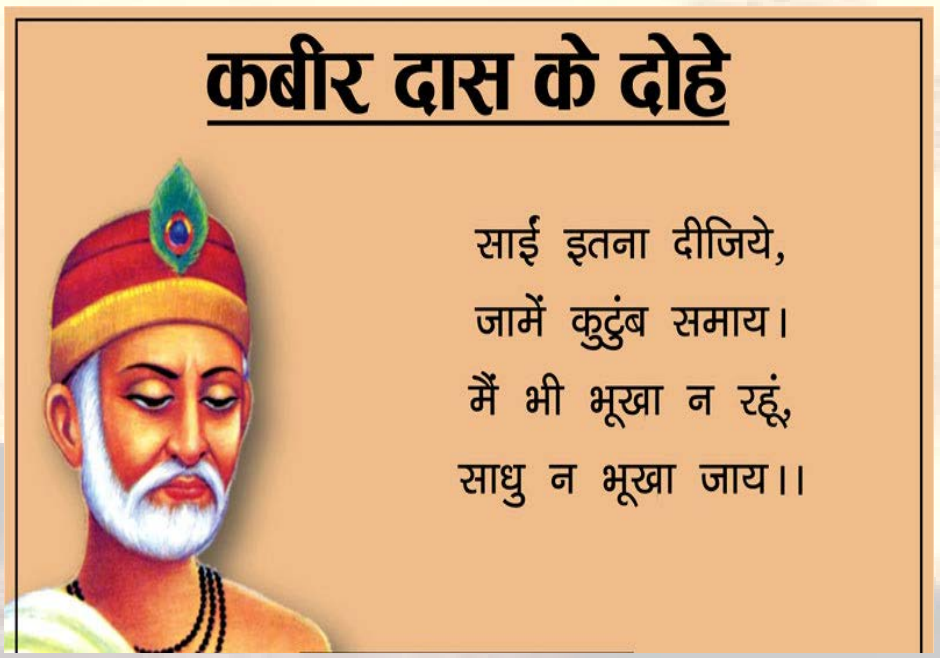

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Hagiographies within the Vaishnava tradition attempted to suggest that he was born a Hindu,

वैष्णव परंपरा की जीवनियों में कबीर को जन्म से हिंदू कबीरदास बताया गया है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

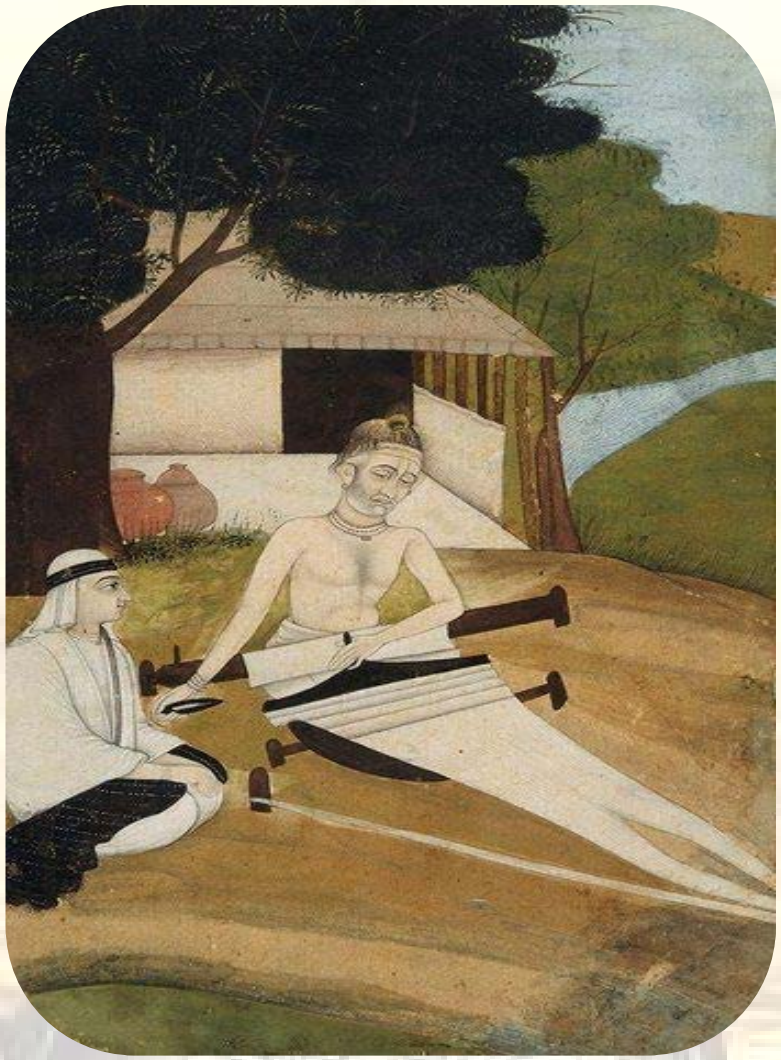

But was raised by a poor Muslim family belonging to the community of weavers or julahas, who were relatively recent converts to Islam.

किंतु उनका पालन गरीब मुसलमान परिवार में हुआ जो जुलाहे थे और कुछ समय पहले ही इस्लाम धर्म के अनुयायी बने थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

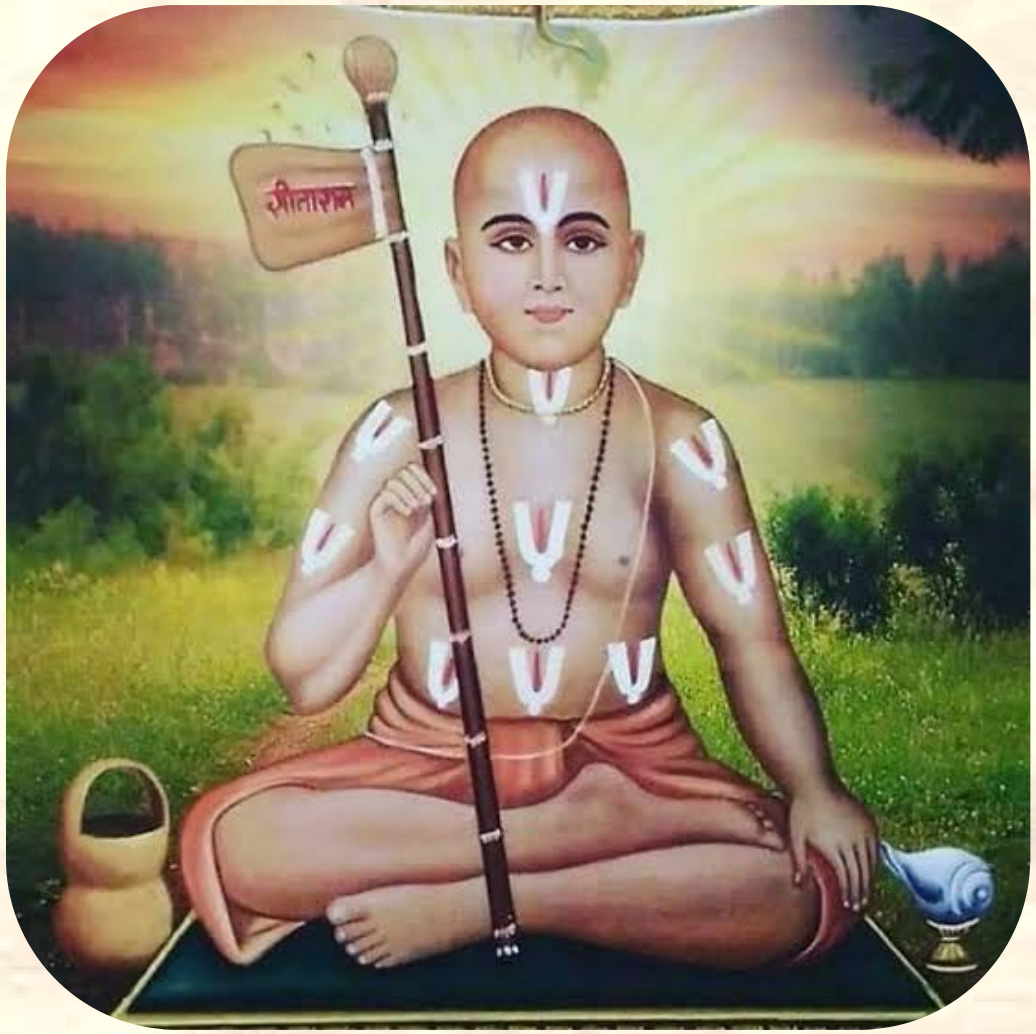

He was initiated into bhakti by a guru, perhaps Ramananda.

कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने वाले गुरु रामानंद थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The One Lord

Here is a composition attributed to Kabir:

Tell me, brother, how can there be

No one lord of the world but two?

एक ईश्वर

यह रचना कबीर की मानी जाती है:

हे भाई यह बताओ, किस तरह हो सकता है

कि संसार के एक नहीं दो स्वामी हों?

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Who led you so astray?

God is called by many names:

Names like Allah, Ram, Karim, Keshav, Hari, and Hazrat.

किसने तुम्हें भ्रमित किया है?

ईश्वर को अनेक नामों से पुकारा जाता है: जैसे अल्लाह, राम, करीम, केशव, हरि तथा हज़रत।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Gold may be shaped into rings and bangles.

Isn't it gold all the same? Distinctions are only words we invent ...

विभिन्नताएँ तो केवल शब्दों में हैं जिनका आविष्कार हम स्वयं करते हैं।

Kabir says they are both mistaken.

Neither can find the only Ram. One kills the goat, the other cows.

They waste their lives in disputation.

कबीर कहते हैं दोनों ही भुलावे में हैं।

इनमें से कोई एक राम को प्राप्त नहीं कर सकता।

एक बकरे को मारता है और दूसरा गाय को।

वे पूरा जीवन विवादों में ही गँवा देते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Baba Guru Nanak and the Sacred Word

बाबा गुरु नानक और पवित्र शब्द

Baba Guru Nanak

बाबा गुरु नानक

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Born in a Hindu merchant family in a village called Nankana Sahib near the river Ravi

जन्म एक हिंदू व्यापारी परिवार में हुआ। उनका जन्मस्थल ननकाना गाँव था जो रावी नदी के पास था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

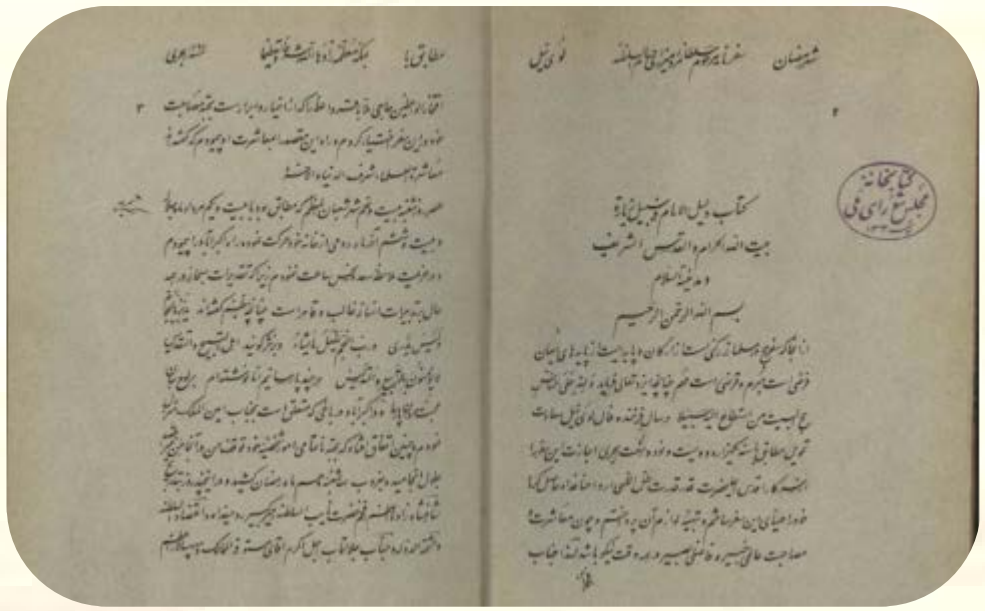

He trained to be an accountant and studied Persian

उन्होंने फारसी पढ़ी और लेखाकार के कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

Message of Baba Guru Nanak is spelt out in his hymns and teachings.

बाबा गुरु नानक का संदेश उनके भजनों और उपदेशों में निहित है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

He rejected sacrifices, ritual baths, image worship, austerities and the scriptures of both Hindus and Muslims.

उन्होंने अस्वीकार किया जैसे यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा व कठोर तप। हिन्दू और मुसलमानों के धर्मग्रंथों को भी उन्होंने नकारा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

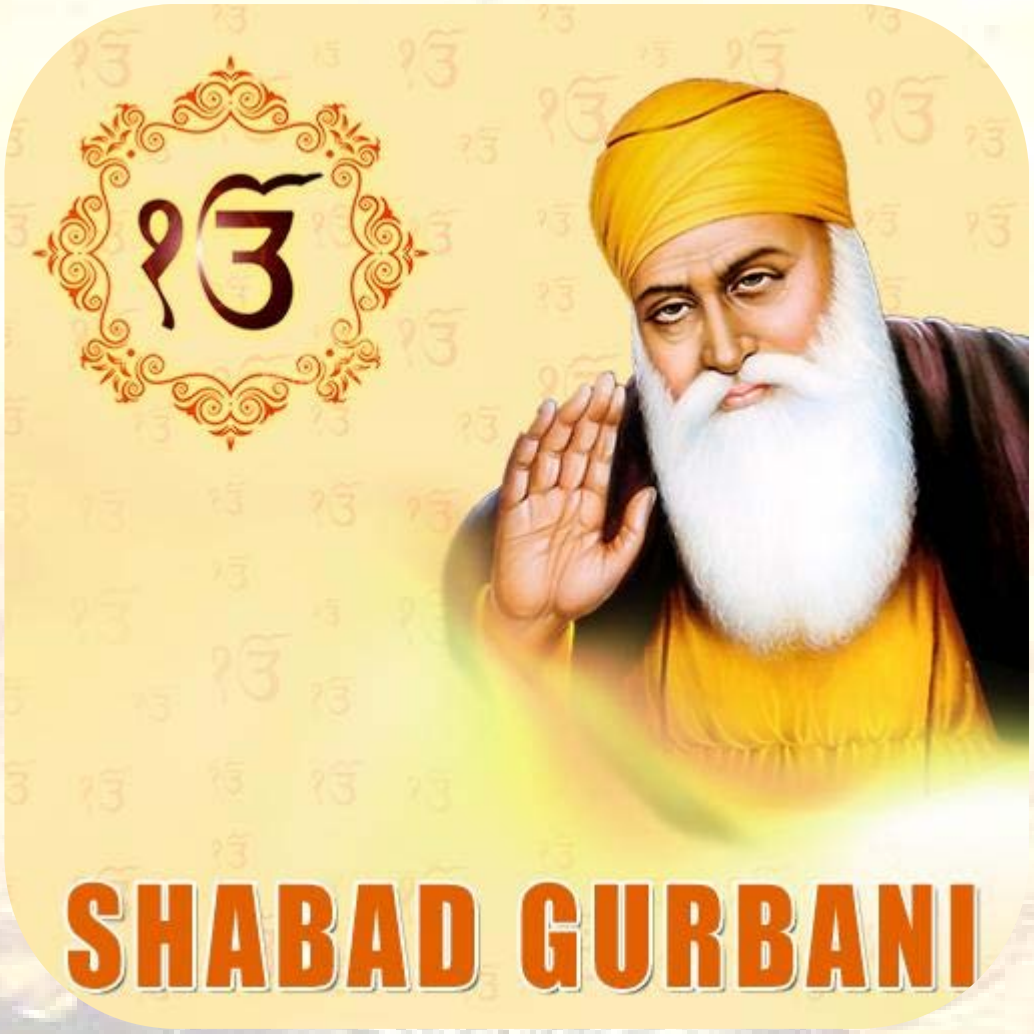

The Absolute or "rab" had no gender or form. He proposed a simple way to connect to the Divine by remembering and repeating the Divine Name, expressing his ideas through hymns called "shabad " in Punjabi

परम पूर्ण रब का कोई लिंग या आकार नहीं था। उन्होंने इस रब की उपासना के लिए एक सरल उपाय बताया और वह था उनका निरंतर स्मरण व नाम का जाप। उन्होंने अपने विचार पंजाबी भाषा में शबद के माध्यम से सामने रखे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Baba Guru Nanak organised his followers into a community. He set up rules for congregational worship (sangat) involving collective recitation.

बाबा गुरु नानक ने अपने अनुयायियों को एक समुदाय में संगठित किया। सामुदायिक उपासना (संगत) के नियम निर्धारित किए जहाँ सामूहिक रूप से पाठ होता था।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

He appointed one of his disciples, Angad, to succeed him as the preceptor (guru), and this practice was followed for nearly 200 years.

उन्होंने अपने अनुयायी अंगद को अपने बाद गुरुपद पर आसीन किया; इस परिपाटी का पालन 200 वर्षों तक होता रहा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Guru Arjan , compiled Baba Guru Nanak's hymns along with those of his four successors and other religious poets like Baba Farid, Ravidas (also known as Raidas) and Kabir in the Adi Granth Sahib . These hymns, called "gurbani",

अर्जन देव जी ने बाबा गुरु नानक तथा उनके चार उत्तराधिकारियों, बाबा फरीद, रविदास और कबीर की बानी को आदि ग्रंथ साहिब में संकलित किया। इन को "गुरबानी" कहा जाता है।

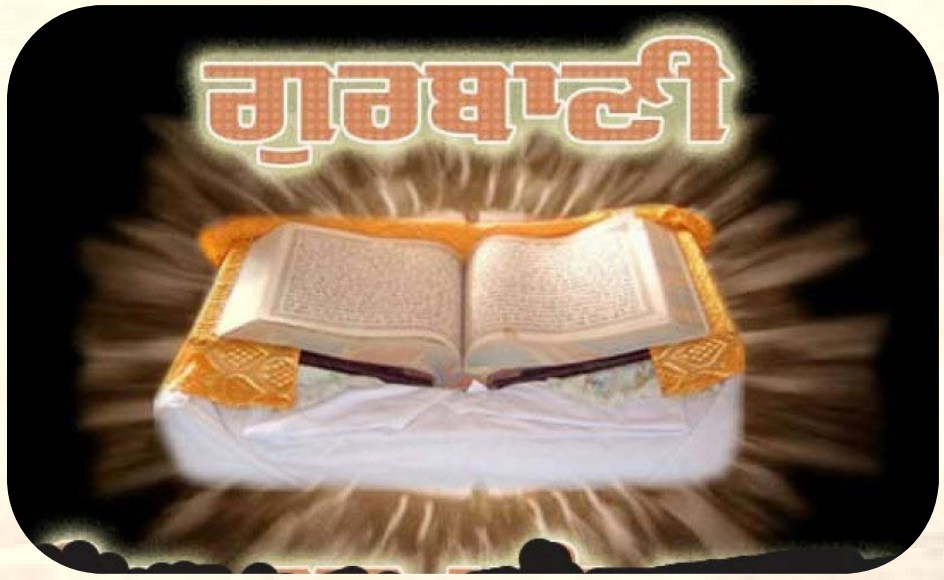

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- The tenth preceptor, Guru Gobind Singh, included the compositions of the ninth guru, Guru Tegh Bahadur, and this scripture was called the Guru Granth Sahib.

- दसवें गुरु गोबिन्द सिंह जी ने नवें गुरु तेग बहादुर की रचनाओं को भी इसमें शामिल किया और इस ग्रंथ को गुरु ग्रंथ साहिब कहा गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

- Guru Gobind Singh also laid the foundation of the Khalsa Panth (army of the pure) and defined its five symbols: uncut hair, a dagger, a pair of shorts, a comb and a steel bangle.

- गुरु गोबिन्द सिंह ने खालसा पंथ (पवित्रों की सेना) की नींव डाली और उनके पाँच प्रतीकों का वर्णन किया : बिना कटे केश, कृपाण, कच्छ, कंघा और लोहे का कड़ा।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Mirabai, the devotee princess

मीराबाई, भक्तिमय राजकुमारी

Mirabai

मीराबाई

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Was a Rajput princess from Merta in Marwar who was married against her wishes to a prince of the Sisodia clan of Mewar

मीराबाई मारवाड़ के मेड़ता जिले की एक राजपूत राजकुमारी थीं जिनका विवाह उनकी इच्छा के विरुद्ध मेवाड़ के सिसोदिया कुल में कर दिया गया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Recognising Krishna, the avatar of Vishnu, as her lover.

विष्णु के अवतार कृष्ण को अपना एकमात्र पति स्वीकार किया।

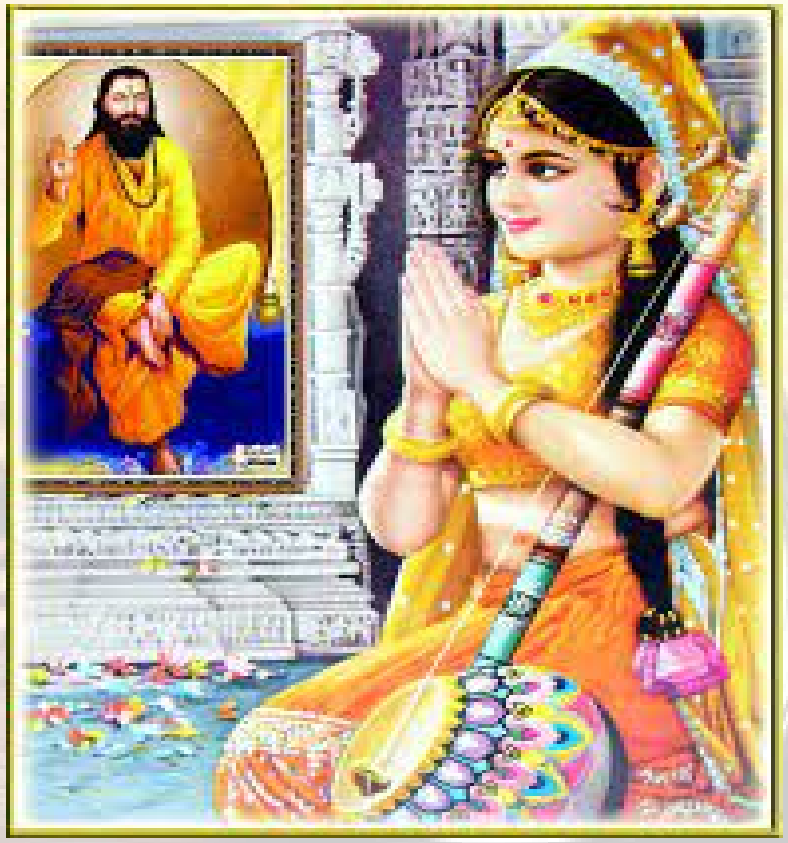

Her preceptor was Raidas, a leather worker

मीरा के गुरु रैदास थे जो एक चर्मकार थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Mirabai did not attract a sect or group of followers

मीराबाई के आसपास अनुयायियों का जमघट नहीं लगा और उन्होंने किसी निजी मंडली की नींव नहीं डाली।

Her songs continue to be sung by women and men

उनके रचित पद आज भी स्त्रियों और पुरुषों द्वारा गाए जाते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Love for the Lord

This is part of a song attributed to Mirabai:

कृष्ण के प्रति प्रेम

यह मीराबाई द्वारा रचित एक गीत का अंश है:

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

I will build a funeral pyre of sandalwood and aloe;

Light it by your own hand

When I am burned away to cinders;

Smear this ash upon your limbs.

... let flame be lost in flame.

अगर–चंदण की चिता बणाऊँ, अपणै हाथ जला जा।

जल–बल भयी भसम की भयी भसम की ढेरी, अपणै अंग लगा जा।

मीरा कहै प्रभु गिरधर नागर, जोत में जोत मिला जा।।

In another verse, she sings:

What can Mewar's ruler do to me?

If God is angry, all is lost,

But what can the Rana do?

एक और पद में वह कहती हैं:

राणों जी मेवाड़ो म्हारो काँई करसी,

म्हे तो गोबिंद रा गुण गास्याँ।

राणों जी रूससी गाँव रखासी, हरी रूस्याँ कुमलास्या।।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Shankaradeva

In the late fifteenth century, Shankaradeva emerged as one of the leading proponents of Vaishnavism in Assam.

शंकरदेव

पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में असम में शंकरदेव वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक के रूप में उभरे।

His teachings, often known as the Bhagavati dharma because they were based on the Bhagavad Gita and the Bhagavata Purana, focused on absolute surrender to the supreme deity, in this case Vishnu.

उनके उपदेशों को 'भगवती धर्म' कह कर संबोधित किया जाता है क्योंकि वे भगवद् गीता और भागवत पुराण पर आधारित थे। ये उपदेश सर्वोच्च देवता विष्णु के प्रति पूर्ण समर्पण भाव पर केंद्रित थे।

He emphasised the need for naam kirtan, recitation of the names of the lord in sat sanga or congregations of pious devotees. He also encouraged the establishment of satra or monasteries for the transmission of spiritual knowledge, and naam ghar or prayer halls.

शंकरदेव ने भक्ति के लिए नाम कीर्तन और श्रद्धावान भक्तों के सत्संग में ईश्वर के नाम उच्चारण पर बल दिया। उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार के लिए सत्र या मठ तथा नामघर जैसे प्रार्थनागृह की स्थापना को बढ़ावा दिया।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Many of these institutions and practices continue to flourish in the region. His major compositions include the Kirtana-ghosha.

इस क्षेत्र में ये संस्थाएँ और आचार आज भी पनप रहे हैं। शंकरदेव की प्रमुख काव्य रचनाओं में कीर्तनघोष भी है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Reconstructing Histories of Religious Traditions

धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण

Varieties of sources used to reconstruct the history of sufi traditions

A wide range of texts were produced in and around sufi khanqahs. These included:

सूफ़ी परंपरा के इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए विभिन्न स्रोत

सूफ़ी ख़ानक़ाहों के आसपास अनेक ग्रंथों की रचना हुई जिनमें शामिल हैं:

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

1. Treatises or manuals dealing with sufi thought and practices – The Kashf-ul-Mahjub of Ali bin Usman Hujwiri (died c. 1071) is an example of this genre.

1. सूफी विचारों और आचारों पर प्रबंध पुस्तिका कश्फ–उल–महजुब इस विधा का एक उदाहरण है। यह पुस्तक अली बिन उस्मान हुजविरी (मृत्यु 1071) द्वारा लिखी गई।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

It enables historians to see how traditions outside the subcontinent influenced sufi thought in India.

साहित्य इतिहासकारों को यह जानने में मदद करता है कि उपमहाद्वीप के बाहर की परंपराओं ने भारत में सूफ़ी चिंतन को किस तरह प्रभावित किया।

2. Malfuzat (literally, "uttered"; conversations of sufi saints) – An early text on malfuzat is the Fawa'id-al-Fu'ad, a collection of conversations of Shaikh Nizamuddin Auliya, compiled by Amir Hasan Sijzi Dehlavi, a noted Persian poet. Source 9 contains an excerpt from this text.

2. मुलफ़ुज़ात (सूफ़ी संतों की बातचीत): मुलफ़ुज़ात पर एक आरंभिक ग्रंथ फ़वाइद–अल–फ़ुआद है। यह शेख निज़ामुद्दीन औलिया की बातचीत पर आधारित एक संग्रह है जिसका संकलन प्रसिद्ध फ़ारसी कवि अमीर हसन सिजज़ी देहलवी ने किया। स्रोत 9 में इस ग्रंथ से लिया एक अंश उद्धृत है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Malfuzats were compiled by different sufi silsilas with the permission of the shaikhs; these had obvious didactic purposes. Several examples have been found from different parts of the subcontinent, including the Deccan. They were compiled over several centuries.

मुलफुज़ात का संकलन विभिन्न सूफ़ी सिलसिलों के शेखों की अनुमति से हुआ। इनका उद्देश्य मुख्यतः उपदेशात्मक था। उपमहाद्वीप के अनेक भागों से जिसमें दक्कन शामिल है, अनेक उदाहरण इस तरह के मिलते हैं। कई शताब्दियों तक इनका संकलन होता रहा।

3. **Maktubat (literally, "written" collections of letters); letters written by sufi masters, addressed to their disciples and associates – While these tell us about the shaikh's experience of religious truth that he wanted to share with others, they also reflect the life conditions of the recipients and are responses to their aspirations and difficulties, both spiritual and mundane.**

3 मक्तुबात (लिखे हुए पत्रों का संकलन): ये वे पत्र थे जो सूफी संतों द्वारा अपने अनुयायियों और सहयोगियों को लिखे गए। इन पत्रों से धार्मिक सत्य के बारे में शेख के अनुभवों का वर्णन मिलता है जिसे वह अन्य लोगों के साथ बाँटना चाहते थे। वह इन पत्रों में अपने अनुयायियों के लौकिक और आध्यात्मिक जीवन, उनकी आकांक्षाओं और मुश्किलों पर भी टिप्पणी करते थे।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The letters, known as Maktubat-i Imam Rabbani, of the noted seventeenth-century Naqshbandi Shaikh Ahmad Sirhindi (d.1624), whose ideology is often contrasted with the liberal and non-sectarian views of Akbar, are amongst those most frequently discussed by scholars.

विद्वान बहुधा सत्रहवीं शताब्दी के नक्शबंदी सिलसिले के शेख अहमद सरहिंदी (मृत्यु 1624) के लिखे मक्तुबात–ए–इमाम रब्बानी पर चर्चा करते हैं। इस शेख की विचारधारा का तुलनात्मक अध्ययन वे बादशाह अकबर की उदारवादी और असांप्रदायिक विचारधारा से करते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

4. **Tazkiras (literally, "to mention and memorialise"; biographical accounts of saints) – The fourteenth-centurySiyar-ul-Auliya of Mir Khwurd Kirmani was the first sufi tazkira written in India. It dealt principally with the Chishti saints. The most famous tazkira is the Akhbar-ul-Akhyar of Abdul Haqq Muhaddis Dehlavi (d. 1642).**

4. तज़किरा (सूफ़ी संतों की जीवनियों का स्मरण) : भारत में लिखा पहला सूफ़ी तज़किरा मीर खुर्द किरमानी का सियार–उल–औलिया है। यह तज़किरा मुख्यतः चिश्ती संतों के बारे में था। सबसे प्रसिद्ध तज़किरा अब्दुल हक मुहाद्दिस देहलवी (मृत्यु 1642) का अख्बार–उल–अखयार है।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

The authors of the tazkiras often sought to establish the precedence of their own orders and glorify their spiritual genealogies. Many details are often implausible, full of elements of the fantastic. Still they are of great value for historians and help them to understand more fully the nature of the tradition.

तज़किरा के लेखकों का मुख्य उद्देश्य अपने सिलसिले की प्रधानता स्थापित करना और साथ ही अपनी आध्यात्मिक वंशावली की महिमा का बखान करना था। तज़किरे के बहुत से वर्णन अद्भुत और अविश्वसनीय हैं किंतु फिर भी वे इतिहासकारों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और सूफी परंपरा के स्वरूप को समझने में सहायक सिद्ध होते हैं।

THEME SIX

BHAKTI- SUFI TRADITIONS CHANGES IN RELIGIOUS BELIEFS AND DEVOTIONAL TEXTS (c. 8th to 18th century)

भक्ति–सूफी परंपराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

Remember that each of the traditions we have been considering in this chapter generated a wide range of textual and oral modes of communication, some of which have been preserved, many of which have been modified in the process of transmission, and others are probably lost forever.

यह याद रखने योग्य है कि प्रत्येक परिपाटी जिसका ज़िक्र इस अध्याय में हुआ है उससे अनेक साहित्यिक और मौखिक संदेश जुड़े हुए हैं। इनमें से कुछ को सुरक्षित किया गया। बहुत सी सूचनाएँ ऐसी थीं जिनमें संप्रेषण के दौरान संशोधन हो गया, व कुछ संदेश ऐसे भी थे जो हमेशा के लिए विस्मृत हो गए।

THANKS

FOR

WATCHING